साांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"दौलत तो लोग लोन से भी ले लेते हैं, लेकिन इज्जत के लिए कोई बैंक नहीं होता, उसे पाने का एक ही रास्ता है-अच्छे कर्म...!!"

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–133 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 02 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

विधायक रिकेश सेन का ऐतिहासिक विजन : अब मात्र 1 रूपये में दिव्यांगों को मिलेंगे 2 लाख के कृत्रिम हाथ-पैर

21 जून 'योग दिवस' के दिन होगी इस महा-योजना की शुरुआत, दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और नई उम्मीद लाने का लिया संकल्प

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन के नेतृत्व में जनसेवा और अंत्योदय का एक नया कीर्तिमान स्थापित होने जा रहा है। अपने क्षेत्र की जनता, विशेषकर शोषितों, वंचितों और जरूरतमंदों के प्रति गहरी संवेदनशीलता और दूरगामी विजन का परिचय देते हुए विधायक रिकेश ने दिव्यांगजनों के सम्मान और सहारे के लिए एक बेहद बड़ी और ऐतिहासिक योजना की घोषणा की है।

आगामी 21 जून 2026 'योग दिवस' के पावन अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा में इस महा-अभियान का औपचारिक शुभारंभ होने जा रहा है। इस योजना के तहत, जो कृत्रिम अंग (आर्टिफिशियल हाथ और पैर) बाजार में लगभग

2 लाख रूपये तक की भारी-भरकम लागत में मिलते हैं, वे अब क्षेत्र के जरूरतमंद दिव्यांगजनों को मात्र 1 रूपये की टोकन दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग भाई-बहनों के जीवन में आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और मुस्कान वापस लाना है।

मात्र 1 में मिल रही हैं ये अभूतपूर्व सुविधाएं

विधायक रिकेश सेन की जनता के प्रति सोच केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं बल्कि धरातल पर एक मजबूत 'हेल्थ और सोशल केयर मॉडल' के रूप में दिखाई दे रही है। इस नई कड़ी के जुड़ने के साथ ही वैशाली नगर में जनसरोकार के निम्नलिखित कार्य पूरी मजबूती से संचालित हो रहे हैं।

वैशाली नगर विधानसभा में स्वास्थ्य क्रांति के तहत मात्र 1 रूपये की टोकन दर पर एक्स-रे, डायलिसिस, पॉवर वाले चश्मे की सुविधा जारी है। क्षेत्र की जनता के लिए फ्री ब्लड टेस्ट, फिल्टर्ड वाटर (शुद्ध पेयजल) की व्यवस्था है। आगामी 15 जून से मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशनों की शुरुआत हो रही है।

समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए 'कंबल बैंक', प्रतिदिन भोजन के लिए 'राम रसोई' और माताओं-बहनों की सेहत व सुरक्षा के लिए 'मां शिशु सुरक्षा कवच' जैसी योजनाओं का सफल संचालन वैशाली नगर विधानसभा में हो रहा है। बेटियों-महिलाओं के लिए विवाह के दौरान जहां ब्राइडल मेकअप और मेहंदी की कलात्मक व रोजगारपरक सुविधाएं दी जा रही हैं वहीं बेटी के जन्म पर मां शिशु सुरक्षा कवच ट्राली बैग किट भी दिया जा रहा है।

जनता कमल सेतु के जरिए घर बैठे मिलेगी जानकारी

विधायक रिकेश सेन के इस विजन को डिजिटल रूप से जनता तक सुलभ बनाने के लिए 'जनता कमल सेतु' माध्यम की शुरुआत की गई है। योजना से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए आम नागरिक वॉट्सऐप नंबर 99778 91333 पर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के आंसू पोंछने का जरिया है। कोई भी दिव्यांग धन के अभाव में बेबस न रहे, यही हमारा संकल्प है। 2 लाख के कृत्रिम अंग मात्र 1 रूपये में जरूरतमंदों को देकर हम उन पर कोई उपकार नहीं कर रहे बल्कि उनके स्वाभिमान को सहेजते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं। वैशाली नगर का हर नागरिक मेरा परिवार है और अपने परिवार की सेहत, सुरक्षा और सम्मान के लिए मेरा यह सेवा रथ कभी नहीं रुकेगा।

बीएसपी स्क्रैप चोरी मामला : दो और क्रेन ऑपरेटर गिरफ्तार, अब तक 8 आरोपी पकड़े गए

फ्लू डस्ट की आड़ में 4-5 महीने से हो रही थी चोरी, 3.22 करोड़ का माल जब्त

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से संगठित तरीके से लौह स्क्रैप चोरी करने के मामले में दुर्ग पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी इन्द्र कुमार पटेल और मदन साहू साईं एसोसिएट के क्रेन ऑपरेटर हैं। इन पर मैग्नेटिक क्रेन से चोरी का स्क्रैप फ्लू डस्ट के वाहनों में लोड करने का आरोप है। इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ऐसे करते थे लोडिंग : पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले 4-5 महीने से बीएसपी से फ्लू डस्ट ले जाने वाले वाहनों में लोहे का स्क्रैप छिपाकर चोरी कर रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य साजिशकर्ता संजय सिंह के कहने पर आरोपी क्रेन ऑपरेटर मैग्नेटिक क्रेन के जरिए चोरी का लोहा फ्लू डस्ट के ट्रकों में लोड करते थे।

26 मई को हुई थी छापेमारी : 26 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम अकलोरडीह खदान पारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, हथखोज में छापा मारा था। वहां हाईवा सीजी 04 क्यूटी 8797 में लोहे की प्लेट कटिंग और बीम फ्लू डस्ट के साथ भरी मिली। ट्रक सीजी 10 आर 2004 में भी प्लेट कटिंग लदी थी। मौके से हाईवा सीजी 08 एडब्ल्यू 1475, ट्रक सीजी 07 एमबी 2455, टाटा 1109 सीजी 07 सीए 6977, टाटा एस सीजी 04 जेबी 9616, जेसीबी सीजी 08 एवाई 8496, हाईड्रा सीजी 07 सीडब्ल्यू 8063, एक बिना नंबर की चेन माउंटिंग मशीन और डस्ट छानने की पांच मशीनें भी जब्त की गई थीं।

3.22 करोड़ का माल बरामद : पुलिस ने करीब 250 टन लोहा स्क्रैप, जिसकी कीमत लगभग 90 लाख रुपये है, और वाहनों सहित कुल 3.22 करोड़ रुपये का माल जब्त किया है।

अब तक ये हुए गिरफ्तार : इस प्रकरण में पहले चिंतानंद साहू, जितेश वर्मा, मिथेन ठाकुर, निर्मल सिंह, रविन्द्र साहू और घनश्याम गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। अब क्रेन ऑपरेटर इन्द्र कुमार पटेल, उम्र 26 वर्ष, निवासी छावनी मंगल बाजार वार्ड 40 और मदन साहू, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम डुमरडीह उत्तई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 277/2026, धारा 303(2), 317(4), 3(5), 112, 336(3), 338, 343(2) बीएनएस तथा छत्तीसगढ़ औद्योगिक सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 25, 26(1) के तहत मामला दर्ज है। पुलिस फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

कांकेर में एक साल पुराने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, पत्नी सहित 4 लोग हुए गिरफ्तार

तलाक के विवाद में की थी हत्या, दुर्घटना का रूप देने की रची थी साजिश

मृतक | मृतक की पत्नी | आरोपी | आरोपी | आरोपी

नई दृष्टिबिंदु /कांकेर

थाना बांदे क्षेत्र में एक साल पहले हुए ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मुकेश विश्वास की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए कांकेर पुलिस ने मृतक की पत्नी समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह पत्नी से चल रहा तलाक का विवाद बताया जा रहा है।

सुनियोजित तरीके से रची थी साजिश

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने हत्या को सुनियोजित तरीके से अंजाम देकर इसे दुर्घटना का रूप देने की साजिश रची थी। वैज्ञानिक एवं तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस को इस जघन्य हत्या की गुत्थी सुलझाने में अहम सफलता मिली।

साक्ष्य बरामद, मामला दर्ज

पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त विद्युत तार, मोबाइल फोन एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य आरोपियों से बरामद किए हैं। थाना बांदे में अपराध क्रमांक 01/2026 धारा 103(1), 238, 61 भा.द.सं. के तहत मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। कांकेर पुलिस की इस सफलता से एक साल पुराने अंधे कत्ल का राज खुल गया और अपराधियों पर कार्रवाई हुई।

मुख्यमंत्री साय ने नन्हें बच्चे को कराया अन्नप्रासन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार पर आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में दुर्ग पहुंचकर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। महिला बाल विकास द्वारा आयोजित शिविर में पहुंचकर नन्हें बच्चे को अन्नप्रासन कराया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव विशेष रूप से मौजूद थे।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 17 जून को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग तथा कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, खम्हरिया, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 जून को एक दिवसीय जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। खम्हरिया स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में आयोजित होने वाले इस मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में रिक्त पदों को भरा जाएगा। उपसंचालक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ऐसे सभी निजी नियोजक जो इस रोजगार मेले के माध्यम से अपने संस्थान के रिक्त पदों पर भर्ती करना चाहते हैं।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : क्रेटा के दरवाजों में छिपाकर लाया जा रहा 14.5 किलो गांजा बरामद

गुप्त चेंबर बनाकर हो रही थी तस्करी, दो आरोपी गिरफ्तार, 17.77 लाख का माल जब्त

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग-भिलाई

अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन विश्वास के तहत दुर्ग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना कुम्हारी और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने क्रेटा कार के चारों दरवाजों में बने गुप्त चेंबर से 14.5 किलो गांजा बरामद किया है। तस्करों ने दरवाजों के अंदर गांजा छिपाकर ऊपर से फाइबर शीट चिपका दी थी। पुलिस की बारीक जांच में तस्करी का हाईटेक तरीका बेनकाब हुआ।

ओवरब्रिज के नीचे पकड़ी गई कार

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उड़ीसा से क्रेटा वाहन सीजी 04 एचएक्स 6908 में गांजा लाकर दुर्ग-भिलाई में बेचा जाना है। इस पर कुम्हारी ओवरब्रिज के नीचे चेकिंग के दौरान कार को रोका गया। प्रारंभिक जांच में गांजे की गंध आने पर सूक्ष्मता से तलाशी ली गई।

दरवाजों में बने थे गुप्त चेंबर

तलाशी में सामने आया कि तस्करों ने कार के चारों दरवाजों के अंदर खाली जगह को गुप्त चेंबर के रूप में तैयार किया था। चेंबरों में गांजा रखकर ऊपर से फाइबर की परत चिपकाई गई थी, जिससे सामान्य निरीक्षण में कुछ नजर नहीं आता था। पुलिस ने इन चेंबरों से 14.5 किलो गांजा कीमत 7.25 लाख रुपये बरामद किया।

उड़ीसा से लाकर दुर्ग में करनी थी बिक्री

गिरफ्तार आरोपियों में तीरथा ठेला, 36 वर्ष, निवासी अचलपुर, नुआपाड़ा उड़ीसा और किशन जगत, 35 वर्ष, निवासी स्टेशन चौक कुम्हारी, दुर्ग शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उड़ीसा के कंधमाल से गांजा खरीदकर दुर्ग-भिलाई में बेचने ला रहे थे। पहले भी इस तरीके से गांजा ला चुके हैं।

17.77 लाख का माल जब्त

पुलिस ने 14.5 किलो गांजा, क्रेटा वाहन, 22 हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन समेत कुल 17.77 लाख रुपये का माल जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ थाना कुम्हारी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) एवं 29 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। अन्य संलिप्त लोगों की तलाश जारी है। दोनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा जाएगा।

फर्जी प्रेग्नेंसी रिपोर्ट कांड : पुलिस-स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही हुआ बेनकाब

जांच रिपोर्ट सौंपते ही अफसरों में हड़कंप, दोषियों पर गिरेगी गाज, नाबालिग से प्रताड़ना के मामले में प्रशासन सख्त

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

जिले को शमर्सार करने वाले फर्जी प्रेग्नेंसी रिपोर्ट और नाबालिग से कथित प्रताड़ना के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दोनों जांच समितियों ने अपनी रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी है। रिपोर्ट में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अफसरों-कर्मचारियों की गंभीर अनियमितता, घोर लापरवाही और प्रक्रियागत चूक सामने आई है। रिपोर्ट हाथ में आते ही जिम्मेदारों की धड़कनें बढ़ गई हैं और बड़ी कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

जिम्मेदारों की भूमिका की खुली पोल

सूत्रों के मुताबिक जांच में इस पूरे प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारी-कमर्चारियों की भूमिका की गहन पड़ताल की गई। जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य और प्रक्रियागत खामियां उजागर हुई हैं। गलत प्रेग्नेंसी रिपोर्ट तैयार करने से लेकर नाबालिग से जुड़े मामले में बरती गई लापरवाही ने दोनों विभागों की कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है।

प्रशासन का सख्त रुख, नहीं बख्शे जाएंगे दोषी

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने शुरू से सख्त रुख अपनाया था। निष्पक्ष जांच के लिए दो अलग-अलग उच्चस्तरीय जांच दल गठित किए गए थे। टीमों ने सभी पक्षों के बयान, दस्तावेज और साक्ष्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है।

कई अफसर-कर्मचारी रडार पर

सूत्रों का दावा है कि जांच रिपोर्ट में कई स्तरों पर लापरवाही उजागर हुई है और जिम्मेदारी तय कर दी गई है। दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कमर्चारियों के खिलाफ विभागीय एवं प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी पूरी हो चुकी है। माना जा रहा है कि 24 घंटे के अंदर प्रशासन इस मामले में बड़ा फैसला ले सकता है। निलंबन से लेकर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई संभव है।

जिले की नजर टिकी प्रशासन के फैसले पर

फर्जी प्रेग्नेंसी रिपोर्ट के आधार पर खड़े हुए इस विवाद ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की साख पर बट्टा लगाया है। नाबालिग से जुड़े आरोपों ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए थे। अब जब जांच रिपोर्ट में लापरवाही साबित हो चुकी है, पूरे जिले की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है। अगर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होती है तो यह मामला प्रशासनिक जवाबदेही और लापरवाही के खिलाफ नजीर बनेगा। अब देखना है कि प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति करता है या दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाता है।

बीएसपी कर्मियों की मांगों को लेकर मजदूर संघों का धरना, 40% कटौती पर रोक लगाने की मांग

वेतन समझौता, एरियर्स और ठेका श्रमिकों के हितों के मुद्दे उठाए ; प्रबंधन से शीघ्र समाधान की अपील

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय इस्पात मजदूर महासंघ और भिलाई इस्पात मजदूर संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार सुबह 8 बजे भिलाई इस्पात संयंत्र के कमर्चारियों और श्रमिकों की लंबित समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों, श्रमिक प्रतिनिधियों और संघ पदाधिकारियों ने धरने में भाग लिया।

ये रखी गई प्रमुख मांगें

धरना-प्रदर्शन के माध्यम से प्रबंधन के समक्ष संविदा श्रमिकों की 40% कटौती पर रोक लगाने, लंबित वेतन समझौते का शीघ्र क्रियान्वयन, एरियर्स भुगतान, आवास, चिकित्सा सुविधा, इंसेंटिव और ठेका श्रमिकों के हितों की रक्षा समेत अन्य मांगें रखी गईं।

श्रमिक संगठनों से संवाद जरूरी : वक्ता

वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। श्रमिक हितों से जुड़े किसी भी निर्णय में श्रमिक संगठनों से संवाद स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने रोजगार सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में रविशंकर सिंह, सुदीप सेन गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, अरविंद सिंह, संजय प्रताप सिंह, हरिशंकर, सुरेंद्र चौहान, शारदा गुप्ता, विनोद उपाध्याय, अनिल गजभिए, दीनानाथ, चंद्रकांत पटेल, कैलाश सिंह, अशोक कुमार, प्रकाश अग्रवाल, पूरनलाल, आर. के. सोनी, राजेंद्र ठाकुर, राजेश पांडे, अशोक कुमार यादव, दीपक मिश्रा, रमेश पांडे, अरुण चंद्राकर, अशोक सोनी, नितिन दीक्षित, रमेश कुहिकर, रवि चौधरी, संतोष मिश्रा, अनूप शाह, देवेंद्र चंद्राकर, मोहंती, डी. एन. तिवारी, उमा सिंह, लोकनाथ, उमेश सिंह, के. के. सिंह, राकेश उपाध्याय, अजय धुर्वे, आनंद और एम. रूद्र मूर्ति सहित अनेक पदाधिकारी, कर्मचारी और श्रमिक शामिल हुए।

खास खबर

निगम आयुक्त पाण्डेय ने सफाई में लापरवाही देख जताई नाराजगी, नाराज, अधिकारियों को दिए कार्रवाई के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ सामुदायिक भवन, निर्माणाधीन सुलभशौचालय और आमजनों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने वार्ड क्रमांक 17 का औचक निरीक्षण किया। लगभग 2 घंटे तक चले इस सघन निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड की सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। नेहरू भवन का अवलोकन किया गया आवश्यक व्यवस्था में सुधार हेतु निर्देशित किए हैं। निर्माणाधीन सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया। आम नागरिकों से इसके उपयोग के संबंध में चर्चा किया गया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वार्ड की गलियों, मुख्य सड़कों और ड्रेनेज सिस्टम का जायजा लिया। उन्होंने सफाई कर्मियों की उपस्थिति के विषय में जानकारी ली और कचरा संग्रहण की स्थिति को भी देखा। वार्ड भ्रमण के दौरान जिन भी स्थलों पर सड़कों पर निर्माण सामग्री या अन्य प्रकार की बाधा पाई गई, उस पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वाले स्थलों को चिह्नित करते हुए उन्होंने कचरा फेंकने वालों के खिलाफ संबंधित अधिकारियों को तत्काल सख्त वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, सफाई पयर्वेक्षक एवं एजेंसी प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित थे। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वार्ड 17 की तरह ही शहर के अन्य वार्डों में भी सुबह का औचक निरीक्षण जारी रहेगा। वे कभी भी कहीं भी पहुंचेंगे।

भिलाई नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय शहर को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्य सड़कों या गलियों में कचरा फेंकना और आवागमन बाधित करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी नियमित रूप से निगरानी रखें और लापरवाही बरतने वालों पर तत्काल जुर्माना लगाएं।

हुडको मस्जिद कमेटी मिली सड़क हादसे के मृत नौजवान के परिवार से, सौंपी सहायता राशि

भिलाई। हाल ही में चंद्रा-मौर्या टॉकीज चौक में हुए ददर्नाक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सेक्टर-2 स्ट्रीट-16 निवासी सलीम अली के परिवार को मदद पहुंचाने के लिए सामाजिक पहल की गई। हजरत बिलाल मस्जिद, हुडको भिलाई की ओर से आवाम के बीच नमाज में ऐलान किया गया था। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी सहयोग दिया। इस तरह सामाजिक सहयोग से मृतक सलीम अली के परिजनों को 1,17,500 की आर्थिक सहायता कमेटी की ओर से प्रदान की गई। मृतक सलीम अली हुडको मस्जिद में भी एसी रिपेयरिंग का काम करते थे। उनकी 3 बेटियां है और इनमें सबसे छोटी महज 11 दिन की है। परिवार की संकट की इस घड़ी को देखते हुए मस्जिद कमेटी ने सेक्टर-2 पहुंच कर मुलाकात की और सहायता राशि दी। इस दौरान हजरत बिलाल मस्जिद, हुडको के सदर शाहिद अहमद रज्जन, सेक्रेट्री नईमुद्दीन, आसिफ खान, जहीर अहमद, गुड्डु, शाहनवाज कुरैशी, अकरम, रियाज खान व अन्य लोग मौजूद थे।

निधन **लालमणि प्रसाद मिश्रा**

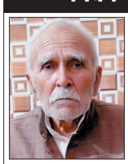

भिलाई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ के पुर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान भिलाई इस्पात संयंत्र सीपीएफ ट्रस्टी इंद्रमणी प्रसाद मिश्रा के पिताजी का निधन सोमवार की शाम 4 बजे सेक्टर-9 अस्पताल में हो गया। उनका अंतिम संस्कार रीवा में किया जाएगा। वे रोहिणी प्रसाद मिश्रा, इंद्रमणि प्रसाद मिश्रा, जीत नारायण मिश्रा, जगनारायण मिश्रा के पिता थे।

थाना उतई परिसर में महिला कमांडो का हुआ सम्मेलन और दिया गया प्रशिक्षण

120 से अधिक महिला कमांडो ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-उतई

थाना उतई परिसर में महिला कमांडो सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना क्षेत्र की लगभग 120 से 125 महिला कमांडो ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री सम्मानित श्रीमती शमशाद बेगम उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत उतई की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू, जिला सेनानी नगर सेना एवं आपदा मोचन बल के नागेंद्र सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन अनूप लकड़ा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी धमधा डॉ. चित्रा वर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान महिला कमांडो को पुलिस जनमित्र योजना के तहत साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन, नशा मुक्ति अभियान तथा सामाजिक अपराधों की रोकथाम में पुलिस के सहयोग संबंधी जानकारी दी गई। महिलाओं को डायल-112, साइबर एवं वित्तीय अपराधों की शिकायत हेतु डायल-1930 तथा नशे के विरुद्ध कार्रवाई के लिए डायल-1933 के महत्व से भी अवगत कराया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती शमशाद बेगम ने महिला कमांडो की भूमिका, उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए समाज में जागरूकता फैलाने तथा पुलिस का सहयोग करने का आह्वान किया। नगर सेना एवं आपदा मोचन बल की टीम द्वारा महिलाओं को जीवन रक्षक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें डूबते व्यक्ति को बचाने के उपाय, रसोई गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में सावधानियां एवं बचाव, अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) के उपयोग सहित विभिन्न आपदा प्रबंधन संबंधी जानकारियां दी गईं। यातायात विभाग से आए निरीक्षक युवराज साहू ने हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, शराब सेवन कर वाहन न चलाने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान महिला कमांडो में विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली। उन्होंने पुलिस प्रशासन को आश्वस्त किया कि अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नशामुक्त समाज के निर्माण तथा महिला सशक्तिकरण के लिए वे हर संभव सहयोग प्रदान करेंगी। कार्यक्रम के अंत में महिला कमांडो को टॉर्च, सीटी, टोपी एवं डंडा प्रदान कर उन्हें सुसज्जित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस : गायत्री परिवार की विशाल नशा मुक्ति रैली, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला दुर्ग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई 2026) के अवसर पर पोटिया, दुर्ग में व्यापक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः स्वच्छता अभियान से हुई। इसके पश्चात तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। दिनभर चले जागरूकता अभियान के अंतर्गत गायत्री परिवार के सदस्यों ने विशाल नशा मुक्ति रैली निकाली। रैली में नशा रूपी राक्षस का पुतला लेकर गली-मोहल्लों एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर जनजागरण किया गया तथा तंबाकू एवं अन्य नशों के दुष्प्रभावों से लोगों को अवगत कराया गया। शाम को माँ शीतला मंदिर चौक में विराट दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला समन्वयक लोकनाथ साहू, रामेश्वर साहू, ब्लॉक समन्वयक डॉ. एन.के. सिन्हा, डॉ. पी.एल. साव, युवराज साहू, अनीता साव, ईश्वरी साहू, नारद साहू, प्रेमलाल साहू, डॉ. सी.एल. साहू, देवीलाल साहू, राधेश्याम जी, रमाकांत, टेमन साहू, रोहित सिन्हा, हेमराज, निखिल साहू, रमेश यादव, यशवंत, भूपेश, विष्णु सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं एवं वरिष्ठ परिजन उपस्थित रहे। वार्ड पार्षद श्रीमती साहू भी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान पुलगांव थाना प्रभारी गुरमीत सिंह ने साइबर अपराध, यातायात सुरक्षा एवं नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं प्रांतीय संयोजक (छत्तीसगढ़) डॉ. पी.एल. साव ने बताया कि बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, पान मसाला, खैनी और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से मुंह के छाले, दांतों का पीला होना, मसूड़ों एवं जीभ की बीमारियां, फेफड़ों की गंभीर समस्याएं तथा मुंह का कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहने का सबसे प्रभावी उपाय मजबूत संकल्प शक्ति और अच्छे लोगों की संगति है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि देश में 15 से 20 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 28 प्रतिशत युवा किसी न किसी रूप में तंबाकू की लत के शिकार हैं।

नगर वासियों से किये वादे हुए पूरे, मुख्यमंत्री साय ने किया आईटी पार्क का लोकार्पण

युवाओं को मिली तकनीकी विकास की बड़ी सौगात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिले को तकनीकी विकास और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए सिविल लाईन्स स्थित आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने से पूर्व आईटी पार्क का उद्घाटन किया। सिविल लाईन्स स्थित यह आईटी पार्क लगभग 3,900 वर्ग मीटर भूमि पर निर्मित किया गया है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 2,907.26 वर्ग मीटर है।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस आईटी पार्क में 40 बड़े ऑफिस रूम, पांच बड़े हॉल, मैस सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पूरा परिसर बाउंड्रीवॉल से घिरा हुआ है, जिसमें यहां कंपनियों के संचालन के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। देश के विभिन्न 40 आई कम्पनियों ने यहां एमओयू के मुताबिक कार्य आरंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि आईआईटी भिलाई और प्रदेश शासन के सहयोग से इस आईटी पार्क निर्माण किया गया है। वतर्मान में 40 आई कम्पनियां कार्यरतहै तथा भविष्य में 100 कम्पनियों के साथ कार्य करने हेतु अपनी सहमति जताई है। विगत वर्ष की गई घोषणा आज आईटी के शुभारंभ के साथ पूरी हुई है। इससे युवाओं के लिए तकनीकी ज्ञान एवं विकास की राह आसान होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आईटी पार्क के शुरू होने से दुर्ग-भिलाई क्षेत्र तकनीकी नवाचार और डिजिटल प्रगति के नए केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इससे स्थानीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार और नवाचार के अवसर मिलेंगे। आईटी पार्क में शुरुआती चरण में 40 कंपनियों ने आने की सहमति दी है। इसके लिए आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच एमओयू भी किया जा चुका है। भविष्य में परिसर का विस्तार कर यहां 100 से अधिक कंपनियों और स्टार्टअप को स्थान देने की योजना है।

आईटी पार्क की स्थापना को जिले में रोजगार, कौशल विकास और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, साजा विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव आयुक्त जनसंपर्क रजत बंसल, छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसाइटी (चिप्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभात मलिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल, आईआईटी भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

रेत माफियाओं की नाक में नकेल कसने में साय सरकार विफल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग सहित पूरे प्रदेश में इन दिनों रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं, जिनकी नाक में नकेल कसने में साय सरकार विफल है। इसका मतलब साफ है कि रेत का यह गोरखधंधा सरकार के संरक्षण में ही फलफूल रहा है।

आरोप लगाते हुए नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व नेता प्रतिपक्ष देवकुमार जंघेल, अब्दुल गनी, लिखन साहू, पूर्व पार्षद अमृत लोढ़ा, डॉक्टर छत्रसाल गायकवाड, संजय सिंह, भोला महोबिया, मनोज चंद्राकर, अनिल देवांगन, मनीष यादव, सुरेंद्र ठाकुर, राजकुमार वर्मा, युवराज ठाकुर आदि ने कहा है कि पिछले दिनों धमतरी जिले में रेत के अवैध उत्खनन के कारण दस नरकंकाल मिले थे, जो इस बात का सबूत हैं कि रेत माफिया कब्रिस्तान को भी नहीं बख्श रहे हैं। अंधाधुंध तरीके से कहीं से भी रेत निकाल रहे है। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र और अहिवारा क्षेत्र में भी डंके की चोट पर रेत का अवैध उत्खनन हो रहा है। जिससे शासन को करोड़ों रुपये का चूना लग रहा है। बगैर रायल्टी दिए रेत माफिया नदी के पार तक को तोड़ने से भी बाज नही आ रहे हैं और खनिज विभाग का महकमा हाथ पर हाथ धरे बैठा है। रेत के इस गंदे धंधे में कई भाजपा नेता भी शामिल हैं। उनके लिए तो सैंया भये कोतवाल तो डर काहे का वाली बात है। पूर्व पाषर्दों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन, प्रशासन ने रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने कड़े कदम नहीं उठाए तो इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी आंदोलन पर बाध्य होगी। पूर्व पाषर्दों की पहल रंग लाई।

सिंचाई विभाग ने तांदुला जलाशय से पानी छोड़ा

इस बार पड़ रही प्रचंड गर्मी के कारण दुर्ग जिले के लिए जीवन दायनी कही जाने वाली शिवनाथ नदी का जल स्तर तेजी से गिर रहा था। जिससे दुर्ग शहर में भीषण पेयजल संकट की स्थिति निर्मित हो गई। इस समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस के पूर्व पाषर्दों ने सिंचाई विभाग के उच्चाधिकारियों से पुरजोर मांग की थी कि वे तांदुला जलाशय से तत्काल शिवनाथ नदी में पानी छोड़े। अंततः सिंचाई विभाग ने पानी छोड़ दिया। जिसका कांग्रेस के पूर्व पाषर्दों ने शिवनाथ नदी में जाकर निरीक्षण किया और सिंचाई विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। ङ उ नहीं करा पाई महिलाओं के बारे में सरकार स्थिति स्पष्ट करे

भिलाई इस्पात क्लब में एक माह का कराटे प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन, 65 बच्चों ने लिया हिस्सा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात क्लब सेक्टर-7 के तत्वावधान में 1 मई से 31 मई तक एक माह का ग्रीष्मकालीन कराटे प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' अभियान के अंतर्गत अमर कराटे एकेडमी सितयो सिको काई कराटे डू इंटरनेशनल द्वारा यह शिविर लगाया गया।

शिविर में कुल 65 बच्चों ने भाग लेकर कराटे का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक जी. अमर और रामू ने बच्चों को प्रशिक्षण दिया। समापन अवसर पर इस्पात क्लब सेक्टर-7 के सचिव एवं भाजपा जिला भिलाई के उपाध्यक्ष चन्ना केशवलू ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर चन्ना केशवलू ने बच्चों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

तेंदूपत्ते से समृद्धि, तीखुर से आत्मनिर्भरता : वनाधारित आजीविका का सशक्त मॉडल बना प्रेरणा

मुख्यमंत्री साय ने हितग्राहियों से की मुलाकात, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में वन विभाग की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से आत्मीय संवाद कर वनाधारित आजीविका से आए सकारात्मक बदलावों को नजदीक से जाना। मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों, महिला स्व-सहायता समूहों, विद्यार्थियों और किसानों से मिलकर उनकी जीवन यात्रा, संघर्ष और योजनाओं से हुए परिवर्तन की कहानियों को सुना। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि गांवों में सम्मानजनक आजीविका, शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार करना है।

मुख्यमंत्री श्री साय सबसे पहले तेंदूपत्ता संग्राहक श्रीमती वेदबती यादव के घर पहुंचे, जहां उन्होंने परिवारजनों से आत्मीय चर्चा की। श्रीमती यादव ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 3720 गड्डी तेंदूपत्ता संग्रहित कर 20 हजार 460 रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण अब उनके परिवार के लिए आय का भरोसेमंद माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री ने उनके परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि वन संपदा पर आधारित आजीविका ग्रामीण परिवारों की आर्थिक मजबूती का सशक्त माध्यम बन रही है।

मुख्यमंत्री ने वन धन विकास केंद्र मर्दापाल से जुड़ी मां शीतला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती विमला भोयर से भी चर्चा की। श्रीमती भोयर ने बताया कि उन्होंने इस सीजन में एक माह के भीतर 85 किलोग्राम तीखुर का प्रसंस्करण कर लगभग 85 हजार रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने बताया कि पहले वन उत्पाद सीमित उपयोग तक रह जाते थे, लेकिन प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से अब आय के नए अवसर बने हैं। मुख्यमंत्री ने इसे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्थानीय संसाधनों पर आधारित ग्रामीण उद्यमिता का प्रेरक उदाहरण बताया। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री का जामुन, आम और तीखुर से बने पारंपरिक शरबत से स्वागत किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार की बेटी राजबती मंडावी से भी संवाद किया। राजबती को कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर तेंदूपत्ता हितग्राही छात्रवृत्ति योजना के तहत 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिली है। मुख्यमंत्री ने उसकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि वन आधारित योजनाएं केवल आजीविका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का भी माध्यम बन रही हैं। उन्होंने राजबती को आगे की पढ़ाई के लिए शुभकामनाएं देते हुए मेहनत और शिक्षा को सफलता का आधार बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम के किसान गौतम यादव द्वारा मक्के की खेती के साथ तालाब में किए जा रहे मत्स्य पालन का भी अवलोकन किया। श्री यादव ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि उन्नति योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है, जिससे खेती और मत्स्य पालन को एकीकृत कर आय में निरंतर वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती, वानिकी और मत्स्य पालन का समन्वित मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बड़ेकनेरा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण नहीं बचाते, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को जीवन, सुरक्षा और समृद्धि भी प्रदान करते हैं।

मर्दापाल परिक्षेत्र में किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत दो किसानों को 5,500 नीलगिरी पौधे वितरित किए गए। तेंदूपत्ता हितग्राही छात्रवृत्ति योजना के तहत विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की छात्रवृत्ति तथा राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को कुल 6 लाख 30 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। बड़ेडोंगर परिक्षेत्र में किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत किसानों को 2,500 नीलगिरी पौधे वितरित किए गए। एक तेंदूपत्ता संग्राहक को 20,460 रुपये का भुगतान किया गया तथा विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि प्रदान की गई। वन प्रबंधन समिति कमेला को लाभांश के रूप में 8 लाख 46 हजार रुपये की राशि भी प्रदान की गई। नारंगी परिक्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के तहत एक हितग्राही को 21,873 रुपये 50 पैसे का भुगतान तथा विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देकर शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आम पेड़ के नीचे लगाई चौपाल, सुनी समस्याएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक अरुण साव ने लोरमी के ग्राम जरहापारा में आम पेड़ के नीचे जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने इस दौरान गांव में हुए विकास कार्यों पर चर्चा कर जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने जरहापारा में देवगुड़ी निर्माण के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

श्री साव ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान किया। उन्होंने ग्रामीणों के आवेदनों के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि डबल इंजन की सरकार वनांचलों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार जनमन योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से वन ग्रामों को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।

व्यावसायिक परिसर का किया लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक अरुण साव ने ग्राम पंचायत अमलडीही में नवनिर्मित व्यावसायिक परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि यह परिसर स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीणों के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित करेगा। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार का संकल्प गांवों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। जनसुविधाओं के विस्तार और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास निरंतर जारी है।

उद्योग मंत्री व महापौर ने किया पार्षद कक्ष का लोकार्पण

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आज नगर निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में नवस्थापित पार्षद कक्ष का लोकार्पण किया, अब निगम के पार्षदगणों को एक ओर जहाँ साकेत भवन में बैठने की सुविधायुक्त व्यवस्था सुनिश्चित हो गई है, वहीं दूसरी ओर पाषर्दो को साकेत भवन में अपना कार्यालयीन कामकाज निपटाने में अब कोई परेशानी भी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने पाषर्दो को अपनी शुभकामनाएं दी। लोकार्पण के दौरान सभापति नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय तथा भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के साथ निगम के पार्षदगण उपस्थित थे।

नितनई उपलब्धियों को अर्जित करने व शहर एवं निगम की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में बढ़ रहे नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में उद्योग मंत्री श्री देवांगन के मार्गदर्शन तथा महापौर श्रीमती राजपूत व सभापति श्री ठाकुर के दिशा निर्देशन में पाषर्दो के बैठने व कामकाज संपादन करने हेतु एक सुव्यवस्थित एवं बडे.साईज के कक्ष की व्यवस्था आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के द्वारा कराई गई है, साकेत भवन के शासकीय हितग्राही पेंशन योजना विभाग के बगल में यह पार्षद कक्ष बनाया गया है तथा उसे व्यवस्थित स्वरूप दिया गया है।

जीवन में ऐसा कार्य करें जिसमें केवल पाना नहीं समाज को कुछ देना हो– राज्यपाल रमेन डेका

राजभवन में बालिका गृह की बेटियों से राज्यपाल ने किया आत्मीय संवाद

नई दृष्टिबिंदु / 00000

राज्यपाल रमेन डेका ने लोक भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में एसओएस बालिका गृह, माना की बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया। इसके साथ ही उन्होंने अंगदान एवं देहदान का संकल्प लेकर मानवता की सेवा का अनुकरणीय संदेश देने वाले 75 नागरिकों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने बालिका गृह की बेटियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य हैं। शिक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और कड़े परिश्रम के बल पर जीवन में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बालिकाओं से अपने सपनों को कभी छोटा न समझने और निरंतर सीखते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पुस्तकों से मिलता है स्थायी ज्ञान और आगे बढ़ने का साहस

राज्यपाल ने कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट पर उपलब्ध बहुत सी जानकारियां समय के साथ बदल जाती हैं, लेकिन पुस्तकों में संचित ज्ञान लंबे समय तक हमारा मार्गदर्शन करता है। उन्होंने बालिकाओं को नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने की सलाह दी। विशेष रूप से सफल विभूतियों की जीवनी पढ़ने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इससे यह समझने का अवसर मिलता है कि कैसे कठिन संघर्षो और निरंतर प्रयासों के बाद लोग सफलता के शिखर तक पहुंचे हैं। ऐसी प्रेरक कहानियां जीवन में आगे बढ़ने का साहस और संकल्प देती हैं। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि जीवन में हमेशा ऐसा कार्य करने का प्रयास करें जिसमें केवल पाने की लालसा न हो, बल्कि दूसरों की मदद करने और समाज के कल्याण में योगदान देने का निस्वार्थ भाव हो। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने बालिकाओं से

सीधे बातचीत कर उनकी जिज्ञासाओं और प्रश्नों के आत्मीय जवाब दिए। उन्होंने बालिकाओं को उपहार स्वरूप स्टेशनरी सामग्री भेंट की, वहीं बालिकाओं ने भी राज्यपाल को स्व-निर्मित उपहार भेंट कर अपना स्नेह व्यक्त किया।

मानव, पशु और प्रकृति के बीच संतुलन अनिवार्य

इस अवसर पर राज्यपाल ने पर्यावरण एवं जल संकट के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि मानव, पशु एवं प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस संतुलन को कायम रखने में वृक्षों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए पेड़ों को बचाना और व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ष्हमने कभी सोचा नहीं था कि एक दिन पानी भी खरीदकर पीना पड़ेगा। इसलिए जल का संवर्धन और संरक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि हमने आज पेड़ों को नहीं संभाला, तो आने वाले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ को गंभीर भू-जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इंसान ही स्वच्छ हवा और पानी को प्रदूषित कर रहा है, इसलिए इसे सुधारने की जिम्मेदारी भी इंसान की ही है।

अंगदान और देहदान मानवता की सर्वोच्च सेवा

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से कई जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है। इसी प्रकार, चिकित्सा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में देहदान का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि जो लोग अंगदान और देहदान का संकल्प ले रहे हैं, वे समाज के सच्चे नायक हैं। उन्हें अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। यह संवेदनशीलता और मानवता का सबसे उच्च भाव है, जिसे हर स्तर पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने अंगदान एवं देहदान का संकल्प लेने वाले 75 नागरिकों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही, रायपुर जिले के कलेक्टर गौरव सिंह को भी इस पुनीत क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा दुबे सहित राजभवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी, अंगदान व देहदान का संकल्प लेने वाले प्रबुद्ध नागरिक, बालिका गृह की बालिकाएं तथा उनके शिक्षक उपस्थित थे।

ज्ञान भारतम् अभियान-बड़े कनेरा में मिलीं 150 वर्ष पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियां

मुख्यमंत्री साय ने किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा से जुड़े अमूल्य विरासत संरक्षण के प्रयासों को नई प्रेरणा देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के अंतर्गत कोंडागांव जिले के ग्राम बड़े कनेरा का दौरा किया। यहां उन्होंने ज्ञान भारतम् अभियान के तहत संरक्षित लगभग 150 वर्ष पुरानी उड़िया भाषा में लिखित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया और उनके संरक्षण में जुटे परिवारों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम निवासी रामूराम यादव से मुलाकात कर उनके पास सुरक्षित रखी गई आठ प्राचीन पांडुलिपियों को देखा तथा उनके इतिहास, उपयोग और संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें केवल पुस्तकीय विरासत नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली की जीवंत पहचान हैं। इन्हें संरक्षित रखना आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने पीढ़ियों से इन पांडुलिपियों को सहेजकर रखने वाले परिवारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज की भागीदारी के बिना सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण संभव नहीं है। जिन परिवारों ने दशकों तक इन धरोहरों को सुरक्षित रखा है, वे वास्तव में हमारी ज्ञान-संपदा के संरक्षक हैं। इस अवसर पर बड़े कनेरा के हरदू कश्यप, परमेश्वर मानिकपुरी, अमरावती के त्रिलोचन मानिकपुरी, पुरसोती राम मौर्य तथा कोपरा ग्राम के चमरू नाग ने भी मुख्यमंत्री से चर्चा की। उन्होंने बताया कि ये पांडुलिपियां उनके दादा-परदादाओं के समय से परिवारों में संरक्षित हैं और आज भी अत्यंत सावधानीपूर्वक सुरक्षित रखी जाती हैं।

संरक्षकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इन पांडुलिपियों में पंजीयार, पंजी, पुराण, पंचांग तथा चक्रकूट पंचांग जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल हैं, जिनका उपयोग परंपरागत ज्ञान, धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक व्यवस्थाओं तथा ज्योतिषीय गणनाओं में किया जाता रहा है। इन ग्रंथों में स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक विधानों और समय गणना की विशिष्ट प्रणालियों का भी उल्लेख मिलता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पांडुलिपियों के अध्ययन की प्रक्रिया, उन्हें पढ़ने-समझने की पारंपरिक पद्धतियों तथा वर्तमान समय में उनके संरक्षण की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली।

पीएम सूर्य घर योजना : सामान्य परिवारों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक व्यापक अभियान : मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के हितग्राही आनंद कुमार पवार से उनके निवास पर आत्मीय मुलाकात कर योजना से आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिवार से संवाद कर जाना कि किस प्रकार एक जनकल्याणकारी योजना ने उनके जीवन में आर्थिक राहत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद जगाई है। मुख्यमंत्री श्री साय से चर्चा के दौरान आनंद कुमार पवार ने बताया कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1200 से 1500 रुपये तक आता था, जो सीमित आय वाले परिवार के लिए एक बड़ा आर्थिक बोझ था। उन्होंने बताया कि

दिसंबर 2025 में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत घर में सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद बिजली बिल पूरी तरह समाप्त हो गया और अब परिवार को बिजली खर्च की चिंता से पूरी तरह मुक्ति मिल गई है।

श्री पवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री को बताया कि पहले उनका परिवार केवल बिजली का उपभोक्ता था, लेकिन अब वे स्वयं बिजली उत्पादन भी कर रहे हैं। इससे न केवल आर्थिक बचत बढ़ी है, बल्कि परिवार में आत्मनिर्भरता का भाव भी मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि हर महीने होने वाली बचत अब परिवार की अन्य जरूरतों और बच्चों के भविष्य पर खर्च की जा रही है। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान श्री पवार ने यह भी बताया कि योजना के लिए आवेदन करने के लगभग एक माह के भीतर उन्हें सब्सिडी प्राप्त हो गई। साथ ही बैंक से सरल प्रक्रिया के तहत ऋण भी उपलब्ध कराया गया, जिससे सोलर संयंत्र लगाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आई। शेष राशि का भुगतान आसान मासिक किश्तों में किया जा रहा है, जिससे परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ा।

आनंद कुमार पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार को केवल बिजली बिल से राहत ही नहीं दी, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी दिया है। उन्होंने कहा कि अब उनका परिवार स्वच्छ ऊर्जा से जुड़कर भविष्य की ओर अधिक भरोसे के साथ देख रहा है।

उल्लेखनीय है कि आनंद कुमार पवार, पिता चमन लाल पवार का घर बस्तर संभाग का पहला ऐसा प्रधानमंत्री आवास है, जहां प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर सिस्टम स्थापित किया गया है। यह आवास ग्रामीण विकास, स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और सरकारी योजनाओं के प्रभावी समन्वय का प्रेरक मॉडल बनकर सामने आया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना केवल बिजली बिल कम करने की योजना नहीं, बल्कि सामान्य परिवारों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक व्यापक अभियान है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से परिवारों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी नई मजबूती मिल रही है।

किसी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें, यही सबसे बड़ा पुरस्कार है : आचार्य डॉ. अजय आर्य

भारत सेवा पुरस्कार 2026 से सम्मानित हुए आचार्य डॉ. अजय आर्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जनसेवा, चरित्र निर्माण तथा वैदिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सुप्रसिद्ध वैदिक चिंतक एवं समाजसेवी आचार्य डॉ. अजय आर्य को "भारत सेवा पुरस्कार 2026" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जीव्रान फाउंडेशन (Jivran Foundation) द्वारा प्रदान किया गया।जीव्रान फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी सामाजिक संस्था है, जो शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और मानवीय सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। संस्था द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित कर उनके कार्यों को प्रोत्साहित किया जाता है।

सम्मान प्राप्त करने के पश्चात अपने उद्बोधन में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि सेवा किसी व्यक्ति पर उपकार नहीं, बल्कि अपने भीतर की संवेदना को कर्म में परिणत करने का नाम है। उन्होंने कहा, "सेवा वह है जिसमें प्रतिफल की अपेक्षा नहीं होती। किसी निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लौट आए, किसी प्यासे को जल मिल जाए, किसी जरूरतमंद को सहारा मिल जाए— वही सेवा की सच्ची सफलता है।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज समाज को केवल सफल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिकों की आवश्यकता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "आजकल लोग मोबाइल की बैटरी खत्म होने पर तुरंत चार्जर खोज लेते हैं, लेकिन किसी व्यक्ति का उत्साह और आत्मविश्वास खत्म हो जाए तो उसे चार्ज करने बहुत कम लोग सामने आते हैं। समाज सेवा वही चार्जर है, जो टूटते हुए मनुष्य के जीवन में नई ऊर्जा भर देती है।"

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि सेवा की शुरुआत बड़े संसाधनों से नहीं, बल्कि बड़े हृदय से होती है। एक पौधा लगाना, उसकी रक्षा करना, किसी वृद्ध की पीड़ा सुनना, किसी विद्यार्थी का मार्गदर्शन करना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना अथवा समाज में सकारात्मक विचारों का प्रसार करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कोई बड़ा अभियान।

उल्लेखनीय है कि आचार्य डॉ. अजय आर्य पिछले कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा के विविध अभियानों से जुड़े हुए हैं। वे नियमित रूप से पौधारोपण, पौधा वितरण तथा वृक्ष संरक्षण के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिली है। इसके अतिरिक्त वे रक्तदान, जलदान, वस्त्रदान, नैतिक शिक्षा, युवा मार्गदर्शन तथा सामाजिक जागरण के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे समय-समय पर वृद्धाश्रमों, सेवा संस्थानों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता और सेवा कार्यों में भी सहभागी बनते हैं।

वर्तमान में भीषण गर्मी के दौरान उनके नेतृत्व में आर्य समाज द्वारा जलदान अभियान संचालित किया जा रहा है। पिछले एक माह से रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थलों पर यात्रियों, श्रमिकों तथा जरूरतमंद लोगों को ठंडा जल, लस्सी, छाछ, बिस्किट और नमकीन वितरित किए जा रहे हैं। उनका मानना है कि सेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और आत्मीयता का वातावरण निर्मित करना है।

अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, "ऋषि परंपरा, गुरुकुल परंपरा और आर्य समाज ने मुझे जो संस्कार, विचार और जीवन-दृष्टि प्रदान की है, मैं आजीवन उसका ऋणी रहूँगा। मेरे गुरुओं ने मुझे सिखाया है कि जीवन का वास्तविक मूल्य संग्रह में नहीं, बल्कि समर्पण में है। मैं सेवा के माध्यम से निरंतर यह प्रयास करता रहूँगा कि किसी व्यक्ति, परिवार अथवा समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकूँ। यदि ऐसा हो पाया तो वही मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान और पुरस्कार होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आचार्य डॉ. अजय आर्य के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पर्यावरण संरक्षण, मानवीय सेवा, वैदिक संस्कारों और सामाजिक जागरण के क्षेत्र में उनके प्रयास अनुकरणीय हैं तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर श्वेता शर्मा, प्रवीण गुप्ता, प्रमिला सरपाल, डॉ. अनुपम मौर्य, कमलेश आर्य, शिपि आर्य, कौशल किशोर, मृत्युंजय शर्मा तथा जवाहरलाल सरपाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

पंजाब निकाय चुनाव में तो कांग्रेस ने कम सीटें जीतीं

हर राज्य में निकाय चुनाव होते हैं तो माना जाता है कि उसमें जो सत्तारूढ़ दल है, वही ज्यादा सीटें जीतता है। लेकिन यह भी राज्य का एक अहम चुनाव होता है, हर राजनीतिक दल के लिए निकाय चुनाव अपने जनाधार को जानने व बढ़ाने का मौका होता है। चुनाव परिणाम से यह साफ हो जाता है कि किसी पार्टी के अध्यक्ष,प्रदेश प्रभारी व अन्य नेताओं ने कितनी मेहनत की है।हारने वाले कह सकते हैं कि निकाय चुनाव में तो जनता सत्तारूढ़ दल को ही जिताना पसंद करती है, हम हार गए हैं तो क्या हुआ दूसरे नंबर पर तो हैं यानी जनता जब सत्तारूढ़ दल से नाराज होगी तो वह हमें ही चुनना पसंद करेंगी यानी चुनाव हारना कोई गंभीर बात नहीं है। चुनाव में तो हार जीत होती रहती है। जीतता तो कोई एक ही है। पंजाब निकाय चुनाव में आप ने सबसे ज्यादा सीटें जीतकर साबित किया है कि जनता उसके राजकाज से संतुष्ट है।

वैसे तो छत्तीसगढ़ के नेताओं के लिए पंजाब निकाय चुनाव में कोई खास नहीं है जैसे अन्य राज्यों के चुनाव होते है वैसे ही पंजाब के निकाय चुनाव हुए है लेकिन कुछ लोगों को इसमें इसलिए दिलचस्पी है कि पंजाब के प्रदेश प्रभारी छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल हैं।भूपेश बघेल को कांग्रेस आलाकमान कहीं भी चुनाव पर्यवेक्षक या प्रदेश प्रभारी बनाकर भेजता है तो राज्य के लोगों को उस प्रदेश के चुनाव परिणाम का इंतजार रहता है कि भूपेश बघेल को उस प्रदेश का पर्यवेक्षक बनाने या प्रदेश प्रभारी बनाने का परिणाम क्या रहा। क्या आलाकमान ने उनको जिस अपेक्षा के साथ पर्यवेक्षक बनाया था या प्रदेश प्रभारी बनाया था,उस अपेक्षा की कसौटी पर भूपेश बघेल खरे उतरे हैं या खरे नहीं उतरे हैं। पंजाब में भूपेश बघेल को प्रदेश प्रभारी बनाने पर उन्होंने कोई कमाल निकाय चुनाव में किया है क्या।

पंजाब निकाय चुनाव के परिणाम के कई मायने निकाले जा सकते हैं।एक सीधा सा मतलब तो यह निकाला जा सकता है कि इस बार निकाय चुनाव में पंजाब के लोगों ने सत्तारूढ़ सरकार को जिताकर साफ कर दिया है कि राज्य के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है। यानी हमेशा की तरह जनता ने सत्तारूढ़ दल को निकाय चुनाव में भी जिताकर साफ कर दिया है कि दूसरों को जिताने का कोई मतलब नहीं है। सत्तारूढ़ दल को जिताने पर निकायों का तेजी से विकास होगा। निकाय चुनाव में किस दल के कितने प्रत्याशी जीते है, इससे भी संकेत मिलता है कि अगले विधानसभा चुनाव का परिणाम क्या हो सकता है।चुनाव में आप को तो बढ़त मिलनी ही थी, मिली भी और इस आधार पर कहा जा सकता है कि विधानसभा चुनाव में भी पलड़ा तो आप का ही भारी रहने वाला है।

चुनाव परिणाम से यह साफ होता है कि भाजपा जिसका जनाधार पंजाब में कमजोर था, उसने अपने जनाधार को कुछ तो मजबूत किया है। आंकड़ो के हिसाब से देखा जाए तो पिछले निकाय चुनाव में यानी 2021 के चुनाव में भाजपा को कुल 2215 सीटों में से 49 सीटों पर ही जीत मिली थी। इस बार भाजपा ने 1977 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसे 167 सीटों पर जीत मिली है यानी कहा जा सकता है कि पिछली बार की तुलना में इस बार भाजपा ने बहुत सीटें ज्यादा जीती हैं। आठ नगरनिगमों से दो में भाजपा ने अपना वर्चस्व स्थापित किया है।भाजपा की तुलना में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक माना जा रहा है। शिरोमणि अकाली दल व कांग्रेस को निकाय चुनाव में नुकसान हुआ है।दोनों की यहां सरकार कई साल तक रही है,उनका जनाधार है लेकिन चुनाव परिणाम से साफ है कि दोनों का जनाधार कमजोर हुआ है। जनाधार कमजोर होने के कारण सीटों की संख्या भी कम हुई है।

पंजाब का प्रभारी भूपेश बघेल को इस उम्मीद में ही बनाया गया था कि वह पंजाब में कांग्रेस को मजबूत कर कोई कमाल करके दिखाएंगे लेकिन वह कोई कमाल नहीं कर पाए हैं। जैसे छत्तीसगढ़ में उनसे दोबारा चुनाव जिताने की उम्मीद की गई थी लेकिन नहीं जिता पाए वैसे ही पंजाब में भी वह कांग्रेस को निकाय चुनाव में नहीं जिता पाए हैं। 2021 के निकाय चुनाव में यहां कांग्रेस 1432 सीटें जीती थीं,जबकि 2026 के चुनाव मे कांग्रेस 384 सीटें ही जीत पाई हैं। यानी आलाकमान ने भूपेश बघेल को जिस उम्मीद के साथ पंजाब प्रदेश प्रभारी बनाया था, उस उम्मीद को भूपेश बघेल पूरा नहीं कर पाए हैं। यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि इससे पहले भूपेश बघेल को जिन प्रदेशों में चुनाव जिताने के लिए आलाकमान ने भेजा वहां भी भूपेश बघेल कोई कमाल कहां कर पाए थे। चुनाव जिताने की बात हो तो भूपेश बघेल ने कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में एक बार चुनाव जिताया है। उसके बाद उनको छत्तीसगढ़,असम,यूपी,हिमाचल आदि जगह चुनाव जिताने के लिए बडी उम्मीद के साथ भेजा गया था लेकिन हिमाचल को छोड़कर कहीं भी कांग्रेस जीती नहीं है।कहा जाता है कि आलाकमान तो भूपेश बघेल को कांग्रेस का राष्ट्रीय नेता बनाना चाहते हैं लेकिन भूपेश बघेल राज्य की राजनीति का मोह छोड़ नहीं पाते हैं।एक वजह तो यही है कि वह दूसरे राज्यों में कोई चमत्कार नहीं दिखा पाते हैं।

सू- दोकू क्र.54

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.53 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

साप्ताहिक जलसा स्वयंसिद्धा

नीट पेपर लीक जैसी घटनाएं भ्रष्टाचार और नैतिक मूल्यों में गिरावट का परिणाम है

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षो से प्रत्येक सप्ताह संगीत, साहित्य,संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी, कानूनी सलाह आदि विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक सोमवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। अधिकारियों, जिम्मेदारों, नेताओं, मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

इस सप्ताह स्वयंसिद्धा के साप्ताहिक जलसा में परिचर्चा में विषय था। -" नीट पेपर लीक जैसी घटनाओं का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर"

संस्था के अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने परिचर्चा की शुरुआत की कुछ उदाहरणों से।

सीकर, राजस्थान: तीसरे प्रयास में अच्छे अंकों की उम्मीद कर रहे 22 वर्षीय प्रदीप महिच नामक छात्र ने पेपर रद्द होने और भविष्य को लेकर अनिश्चितता से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश: 21 वर्षीय रितिक मिश्रा, जो अपने तीसरे प्रयास को लेकर बेहद आश्वस्त थे, परीक्षा रद्द होने से गहरे सदमे में थे और उन्होंने अपने कमरे में जान दे दी

गोवा: पणजी में 17 वर्षीय एक नीट उम्मीदवार ने अकादमिक तनाव और परीक्षा से जुड़े हालातों के कारण आत्महत्या कर ली।

इस भटकाव भरे समय में बच्चों को पढ़ाई लिखाई से जोड़कर सुनहरे भविष्य का सपना दिखाने के बाद माता-पिता बच्चन के मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे हैं और उसकी वजह यह महत्वपूर्ण परीक्षाएं और उनका सरकार द्वारा ठीक से संचालन ना हो पाना।

जो बच्चे डॉक्टर बनने वाले हैं और लाखों मनुष्यों को प्राण दान देने वाले हैं चिकित्सा के क्षेत्र में नई क्रांतियां करने वाले हैं उनको शुरुआत में ही इस प्रकार हतोत्साहित करने से भविष्य बिल्कुल अंधेरे में दिखाई दे रहा है। बच्चों के भविष्य निर्माण के सालों में माता-पिता अपने सुनहरे दिनों को स्वाहा करते हैं। फिर सरकार से ऐसी लापरवाहियों का अंत क्यों नहीं होता?

मैत्री कुंज की सीमा लदेर का कहना है - ये ज्ञान की परिक्षा है या सहनशक्ति की?

नीट पेपर, एसएससी जीडी, क्लैट, सीबीएसई 12वीं और भी कई पेपर हर वर्ष लीक हो चुके हैं। यहां एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। मेरा मानना है कि इसमें कुछ तब्दीली की जरूरत है। जैसे :- डिसेंट्रलाइजेशन (विकेंद्रीकरण) - इससे परीक्षण करने की शक्ति और जिम्मेदारी एक केंद्रीय संस्था पर न होकर 28 अलग-अलग राज्य संस्थाओं में बट जाएगी जिससे परीक्षार्थियों की अधिक संख्या के आड़ में घोटाला करना या छुपाना नामुमकिन हो जाएगा।

परीक्षण संस्था पर जुर्माना - बच्चों को शिक्षा और परीक्षा में बैठने के अवसर के लिए भारी रकम देनी पड़ती है। ऐसे में परीक्षा में रुकावट आने पर या पेपर लीक होने पर यह निश्चित किया जाना चाहिए कि परीक्षण संस्थान बच्चों को होने वाले मानसिक तनाव के मुआवजे के तौर पर प्रत्येक बच्चे को दुगनी राशि वापस की जाए और मुफ्त रिटेस्ट लिया जाए।

कड़ी सजा का प्रावधान - पेपर लेने वाले संस्था के द्वारा पेपर लीक करने पर पूरी टीम का लाइसेंस खारिज करने के साथ ही कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए और किसी भी तरह के सरकारी कार्य और फायदे से उन्हें वंचित रखा जाना चाहिए।

जिस तरह से एक पेपर बच्चों का पूरा भविष्य तय करता है इसी प्रकार वह पेपर कितनी निष्पक्षता से हो रहा है इस बात पर प्रशिक्षण कराने वालों का भी भविष्य टिका होना चाहिए ताकि वह दूसरों के भविष्य को गंभीरता से ले।

खुद को निवासी वरिष्ठ शिक्षिका सीमा कनोजे कहती हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में हूं इसलिए इस विषय पर कुछ बातें रखने के लिए सक्षम हूं कि कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। वह इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि वह दूसरों के बारे में सोचना ही बंद कर देते हैं कि उनके एक कदम से कितने लोगों की जिंदगी आहत हो सकती है। एक छोटा सा उदाहरण दूंगी। मेरी एक निम्न मध्यम वर्ग से तालुका रखने वाली सहेली है जिसने पुत्री के जन्म से ही फैसला कर लिया था कि मैं इसे डॉक्टर बनाऊंगी। अथक प्रयास करके उसने उसे एक अच्छी शिक्षा दी और नीट की तैयारी के लिए उसने पैसे जोड़-जोड़ कर कोटा भेजा। क्योंकि तथाकथित कहा जाता है कि कोटा मे नीट की तैयारी बहुत अच्छी कराई जाती है। बच्ची ने परीक्षा देकर कहा कि मम्मी इस बार मेरा जरूर हो जाएगा क्योंकि मेरा 650 से ऊपर आ रहा है और इसी बीच एक खबर आती है कि नीट की परीक्षा कैंसिल हो गई। उसके घर में क्योंकि संयुक्त परिवार है कोई किसी ने किसी का आना-जाना लगा रहता था अतः बच्ची की पढ़ाई नहीं हो पाएगी करके 6 महीने के लिए उसने नेहरू नगर में एक अलग से फ्लैट लिया। बच्चे के लिए जिसमें सुबह से नाश्ते से लेकर के खाना सब दवाइयां सब कुछ छोड़ने जाती थी और वापस आती थी घर क्योंकि एक और छोटी बच्ची भी थी घर में। जैसे ही परीक्षा रद्द हुई मैंने ही खबर दी की परीक्षा रद्द हो गई है करके ।बच्ची बात करना ही छोड़ दी। एकदम शांत हो गई और अभी तक डिप्रेशन में है।

तो जो जिम्मेदार है उनको समझना चाहिए कि नीट एक ऐसा एग्जाम है जो कठिन होने के साथ-साथ भविष्य संवार देता है। मैं सरकार से अपील करती हूं कि इस विषय पर बहुत ज्यादा ध्यान दें और पुनः इस तरह की गलतियां ना हो इस पर कार्य करें।

प्रियदर्शनी नगर सुपेला निवासी संगीता जायसवाल कहती हैं कि Neet एक ऐसा एग्जाम है जहां लाखों बच्चे कुछ हजारों सीट के लिए लड़ाई लड़ रहे होते हैं। जीवन की वह सारी खुशियां, दोस्त, हॉबीज, आर्ट्स दरकिनार कर जंहा सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई करनी पड़ती है। मैं खुद भी इस राह से गुजर चुकी हूं। मैं अपनी बेटी को लेकर नीट की तैयारी कराने नीट से ही कोटा चली गई थी। मैंने खुद अपनी बेटी को 18 घंटे लगातार पढ़ाई करते हुए देखा है। मैंने वहां बच्चों को भीषण दबाव में रहते हुए देखा, आए दिन बच्चों के सुसाइड करने की खबर मिलती थी। सोचिए नीट एग्जाम का प्रेशर इतना भीषण होता है कि बच्चे को सुसाइड करना आसान लगता है। बच्चा और बच्चे का पूरा परिवार यह लड़ाई लड़ रहा होता हैं। इतनी भीषण मानसिक दबाव में पूरी तरह जी जान लगाकर तैयारी करने के बाद जब एग्जाम कैंसिल होता है तो वह कितना दर्दनाक होता होगा।

परीक्षा प्रणाली अपने उत्तम परीक्षा प्रक्रिया दर्शाते हुए परीक्षा केंद्र में पहुंचे बच्चों के पैंट के बटन और जेब भी काट देते हैं। लड़कियों के दुपट्टे रख लिए जाते हैं। पानी की बोतल, चप्पल, सब की जांच की जाती है और इधर NTA अपने ही परीक्षा प्रणाली की निगरानी नहीं कर पा रहे। न जाने यह भ्रष्टाचार कितनी गहराई तक फैली हुई है, NTA अगर अपना काम जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ करती तो ईस दिन का सामना नहीं करना पड़ता। अब हमारे देश की सेना, IAF को मदद के लिए आगे आना पड़ रहा है। बस अब मन यह उम्मीद करना चाहता है कि आगे अब ऐसी घटना और ना हो।

हुबली कर्नाटक निवासी स्मिता मंडल कहती है कि

NEET के पेपर्स लीक हुए, सब जगह यही चर्चा है, पर क्या कोई कदम उठाया सरकार ने? यहाँ गलती करने वाले को मालूम है कुछ नहीं होना है उसे, आराम से बच के निकल जाएंगे इस बात से भले ही बच्चों की मेहनत, उनके सालों की तैयारी सब बर्बाद हो गई हो, उनके माँ-बाप के सपने भी चूर-चूर हो गए हों, कितने बच्चों ने शायद मन में कहीं शायद हार मान ली होगी कि अब नहीं लिखेंगे NEET की परीक्षा पर इन सब बातों से क्या प्रशासन को कोई फर्क पड़ा या कितना फर्क पड़ा ये तो मालूम नहीं है।

ऐसे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करना आसान है तभी ये हुआ, अगर इस बात के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा हो जाए तब कुछ बात बने। सजा ऐसी होनी चाहिए कि ऐसा करने वाले लोगों के मन में डर बैठ जाए, उनकी रूह काँप जाए ऐसा करने के लिए उनके मन में कोई सोच ही न आए। जब तक कानून सख्त नहीं होंगे इस बात की कोई गारंटी नहीं कि ऐसा फिर नहीं होगा। चर्चा हम जरूर कर रहे हैं पर काम तो कहीं और ही होना है इस समस्या का समाधान करने के लिए।

सेक्टर 8 निवासी कलाकार लक्ष्मी साहू कहती है कि पेपर लीक की घटनायें सिर्फ कानूनी व्यवस्था की कमजोरी ही नहीं है बल्कि इस प्रकार के अपराध करने वाले लोगों की नैतिक मूल्यों में गिरावट के कारण है। इसके साथ ही साथ ऐसे लोगों में कानून एवं दंड व्यवस्था का भी भय नहीं होता। हर परीक्षा कहीं न कहीं बच्चों के भविष्य का दिशा तय करता है और ऐसे ही हर बार पेपर लीक होगा तो ये बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

इस प्रकार के अपराध को रोकने के लिए सरकार को कड़े से कड़े दंड विधान की व्यवस्था करनी चाहिए।जब हमारे घर में पढने लिखने वाले बच्चे होते तो हमें बच्चों को अच्छा से अच्छा नैतिक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। आज जिन्होंने ऐसी घटनाओं को जन्म दिया वो बीते हुए कल में पढने लिखने वाले बच्चे ही थे, जो आज माता पिता बनकर भी पेपर लीक जैसे अपराध को जन्म देकर बच्चों एवं राष्ट्र के भविष्य को अंधकार में डालने का काम कर रहे हैं, अगर ये नैतिक नियम एवं कानून का पालन करते तो ऐसी अपराध को अंजाम नहीं देते।

तालपुरी निवासी कमलेश आर्य कहती है कि वर्तमान में पेपर लीक होने की जो चर्चा चल रही है, उसी से संबंधित एक वाक़या शेयर करना चाहती हूं।

मैं संस्कृत ट्यूशन लेती हूं, इस साल जो बच्चों को कम नंबर आए हैं वह फिर से परीक्षा दे सकते हैं ऐसा नया रूल बना है। अब बच्चे फिर मेरे पास आए, तब उनकी पढ़ाई शुरू हो गई,लेकिन उनका मन पढ़ने में बिल्कुल नहीं लग रहा था ,कहने लगे कि हमने यही एग्जाम पहले दिया है अब फिर से देना पड़ेगा,एक बच्चे ने तो एग्जाम दिया ही नहीं ,क्योंकि इसके मार्क्स जिस परीक्षा में ज्यादा होते हैं ,वही जुड़ते हैं इसलिए परीक्षा देना ज्यादा जरूरी नहीं था।

मैं सोचने लगी इन लोगों को एक पेपर देने में इतनी मुश्किल हो रही है और जिन्होंने साल भर मेडिकल एग्जाम के लिए कितनी कितनी तैयारी की होगी, उनको फिर से एग्जाम देने के लिए किन मनःस्थिति से गुजरना पड़ रहा होगा, और उनके माता-पिता के क्या हालत हो गई हो गई होगी, इसका अंदाजा नहीं लगा सकते ,सरकार को इसकी ओर बहुत ध्यान देना चाहिए और कड़े से कड़े नियम बनाना चाहिए।

वरिष्ठ शिक्षिका श्रुति तिवारी कहती है कि कोई भी पैदायशी अपराधी नहीं होता , अपराध का जन्म होता है अत्यधिक आकांक्षा से। आज NTA तो अपराधी है ही लेकिन वो अभिभावक ज्यादा अपराधी है जो प्रश्न पत्र खरीदने को तैयार हैं। इन्हें भी बक्शा नहीं जाना चाहिए। खरीदार ही नहीं होगा तो कोई बेचेगा क्या।

अपराधी अभिभावकों के शिकार है वो विद्यार्थी जो कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं। परीक्षा करवाने वाली संस्था के साथ ही अपराधी अभिभावकों को भी कड़े दंड का प्रावधान होना चाहिए।

आशीष नगर निवासी रतना दुफारे कहती है कि पेपर लीक का खेल बहुत पुराना हैं 'मुझे याद हैं जब मैं 10th में थी तब मैथ्स का पेपर लीक हुआ था ' बहुत अच्छा गया था पेपर ' 12th के समय केमिस्ट्री का पेपर लीक हुआ था ' उस समय सोशल मीडिया नहीं था ' पेरेंट्स भी इतना ध्यान नहीं देते थे ' जब दूसरी बार पेपर दिए तो वो उत्साह नहीं था और थोड़ा आत्म विश्वास भी कम हो जाता हैं '

अभी जो नीट का पेपर लीक हुआ हैं ' पेरेंट्स और बच्चों का मानसिक संतुलन बहुत प्रभावित होता हैं ' कड़े कानून बने और कठोर सजा का प्रावधान होना चाहिए ' बच्चे 4-5 सालों से बहुत मेहनत करते हैं ' पेरेंट्स भी बच्चों के साथ हर बात का ध्यान रखते है ' ऐसा कुछ होता है तो पूरा परिवार टूट जाता है ' मेरी बेटी का लास्ट ईयर नीट में सिलेक्शन हुआ ' जून में रिजल्ट आया ' जुलाई में counselling शुरु होने वाली थी ' हमारे परिवार में अभी तक कोई मेडिकल में नहीं गया तो किसी को इसकी counselling कैसे होती कोई जानकारी नहीं थी ' सब ऑनलाइन था ' बच्चे तो आजकल सब सीख जाते हैं ' वही सब किए ' फॉर्म भरना, फीस, सब कुछ ' लेकिन हर बार डेट आगे बढ़ जाती थी '

6 बार डेट आगे बढ़ी ' कभी कुछ कारण बताते तो कभी कुछ ' जुलाई की counselling पूरा 1 महीने आगे बढ़ गई ' अगस्त में हुई 1st counselling ' फिर कौन सा कॉलेज मिलेगा इसकी चिंता ' रिजल्ट आने के बाद भी 2 3 महीने इसी प्रक्रिया में तनाव में गुजरे ' अभी पेपर लीक के कारण बच्चों के साथ-साथ पेरेंट्स लोगों का भी मनःस्थिति बहुत गंभीर है।

वरिष्ठ शिक्षिका कुदसिया अली कहती है कि मैं कुदसिया अली भिलाई से लिख रही हु।

एक शिक्षिका होने के नाते मैं यह कह सकती हु कि मेरे बच्चे(विद्यार्थी)जो इस साल ठएएळ के पेपर कैंसिल होने के वजह से जिस उलझन में है उनकी मनोदशा बयान नहीं की जा सकती। कुछ तो ऐसे थे जिन्होंने केवल पिछले साल NEET नहीं दिया कि वह 12वीं के बाद जी जान से एक साल लग कर यह परीक्षा इस साल देंगे और दिये भी। बहुत ही दुख की बात है के हम उस देश की शिक्षा नीति पे शर्मसार है जिस देश ने तरक्की करके चाँद के उस कोने पे पहुंचा जिस पर कोई और देश न पहुँच पाया।

हमारे आने वाली पीढ़ी के भविष्य का सोचना चाहिए। मुझे कहते झिझक नहीं लग रही की इस पूरे मामले में सिर्फ NTA को ज़िम्मेदार ठहराना चाहिए ये बिल्कुल गलत है। हम सब इस सिस्टम के भागीदार है। निचले पायदान से ऊपर तक सबको ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए। बच्चों का तो सोचिये दिन रात मेहनत करते है। नींद भी अपनी त्याग करते है। उन बच्चों का सोचा है कभी जो अपने परिवार से दूर किसी कोचिंग सेंटर के वजह से हॉस्टल के सहारे रहते है। खान पान घर जैसे तो नहीं मिलता उन्हें न ही मां की ममत्व की छांव या पिता का दुलार जब पढ़ के थके हुए रूम लौटते है।

संघर्षों से कम नहीं उनका जीवन। एक बच्चा जो मात्र 16- 17 साल का है। इस पूरे मामले में सबसे ज़्यादा बच्चे ही प्रताड़ित हुए है। उनके परिवार का हर एक सदस्य भी इस चीज से प्रभावित हुआ है। अभी नई खबर और आगई के cuet कि परीक्षा में भी कुछ तकनीकी तकलीफ आगई है। उइरए की भी जांच प्रकिया जो डरट ऑन स्क्रीन मार्किंग थी उसमें भी त्रुटियां। इन सबका एक ही उपाय है की हर भारतीय प्रण ले के देश के हित में और भविष्य मजबूत करें।

रायपुर से लेखिका शीलू लुनिया कहती है कि ठएएळ पेपर लीक जैसे मामले केवल भ्रष्टाचार या कानून व्यवस्था की विफलता नहीं हैं, बल्कि लाखों बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य पर सीधा आघात हैं।

एक विद्यार्थी वर्षों की मेहनत, त्याग और उम्मीदों के साथ परीक्षा देता है। जब पेपर लीक की खबरें सामने आती हैं तो उसका आत्मविश्वास और व्यवस्था पर भरोसा दोनों कमजोर पड़ जाते हैं। इसका असर केवल बच्चों पर ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार पर पड़ता है, जो उनकी सफलता के लिए हर संभव प्रयास करता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना होगा। दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कारवाई भी आवश्यक है।बच्चों की मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता, इसलिए व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि उनकी ईमानदारी और परिश्रम पर कभी प्रश्नचिह्न न लगे।जब सपनों की परीक्षा हो, तो व्यवस्था भी उतनी ही मजबूत और निष्पक्ष होनी चाहिए जितनी बच्चों की मेहनत।

सेक्टर 4 निवासी संध्या तिवारी कहती है कि मैंने अपने बच्चों के नीट यू.जी हो या पी.जी के संघर्ष को अनुभव किया हैं जहाँ हर बच्चा छोटी क्लास से ही डॉक्टर बनने का सपना देखता हैं और उसको अपना लक्ष्य बना लेता है ताकि वो देश के लोगों का जान बचा सके और एक जरनल कोटा के साथ वो तैयार होता हैं जहाँ रोज अपनी मानसिक और शारीरिक स्थिति को मजबूत करता हैं कि अच्छे नंबर ला सकूँ ताकि गवनमेंट कॉलेज पा सकूँ क्योंकि घरों में इतना पैसा नहीं होता हैं कि वो प्राइवेट कॉलेज में पढ़ा सके जिसके लिए वो बच्चा अपने कई साल दे देता हैं और माँ-बाप हर दिन उसका मनोबल बनाए रखने के लिए अपने बच्चे के साथ हमेशा खड़े रहते हैं और उनके हाथ कुछ नहीं होतोलाचार होते हैं इस देश के सिस्टम और अपने बच्चे के भाग्य के आगे..

उस पर नीट का पेपर लीक होना करेले पर नीम चढ़ाना हैं जो हमारे ही देश के सिस्टम के लिए कई प्रश्न खड़े कर देता हैं कि उन बच्चों का क्या? जो स्ट्रीट लाइट में नीट का तैयारी किए हैं। जो माँ बाप अपना पेट और शौक को मार कर बच्चों का कोचिंग फीस भर रहे हैं। जो बच्चे साल भर इसी डर में रहते हैं कि पेपर अच्छा जाएगा कि नहीं? क्या सिस्टम इतना लाचार हैं कि वो कुछ पैसों वाले के आगे बिक गया हैं ?

मैं सरकार और सिस्टम से गुजारिश करुँगी कि वो पालक और बच्चों की मनो:स्थिति को समझते हुए नीट के लिए एक कुछ कठोर कदम उठाए और एजुकेशन सिस्टम को मजबूत बनाएं। नही तो ऐसी लापरवाही से डॉक्टर की कमी होने में देर नहीं लगेगी। क्योंकि बच्चा डॉक्टर होने के बाद भी सिस्टम से लड़ता ही रह जाता हैं।

स्मृति नगर निवासी नमिता त्रिपाठी कहती है कि मेरे बड़े भाई की बेटी ने अपने जी जान लगा दी थी पढ़ाई में। ना खाना ना सोना।बहुत मेहनत की थी पिछले बार जो नीट पेपर लीक हुआ था। बिचारी रोना,धोना करके सुसाइड करने की कोशिश कर रही थी। परिस्थिति बहुत गंभीर था। हॉस्पिटल में भर्ती किए।परिवार वाले परेशान हो गए। इन लापरवाहियों से न केवल छात्र-छात्रा पूरा परिवार मानसिक रोगी हो जाता है।

एक्सपर्ट कमेंट

NEET परीक्षा विषय वस्तु एवं अवधारणाओं के सीखने की जांच है, दक्षताओं की नहीं, यदि दक्षता आधारित प्रश्न पूछे जाएं तो पेपर के लिए पहले से निकाले हुए हल का नहीं करेंगे। प्रश्नपत्रों में सवालों के स्वरूप में विविधता एवं चित्रों या चार्ट पर आधारित प्रश्नों के लिए कठिनाई स्तर के साथ अलग अलग सेट तैयार करना होगा।जितने अधिक सेट होंगे ,पेपर लीक होने की संभावना उतनी ही कम होगी।

ठएएळ जैसी परीक्षाओं के साथ बच्चों और उनके अभिभावकों की महत्वाकांक्षी भावनाएं जुड़ी होती हैं।नई शिक्षा नीति में प्रत्येक विषय के लिए skills एवं career के बहुत सारे विकल्प हो सकते है, उनकी जानकारी हो और बच्चे इनके माध्यम से करियर चुनने लगें तो NEET एकमात्र माध्यम होने की चुनौती कम होगी।

तपते तवे से कंक्रीट जंगल : शहरी बुनियादी ढांचा पर्यावरण अनुकूल व मानवीय बने

पंकज चतुर्वेदी

आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट सचेत कर रही हैं कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन कोटिसील अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। जेठ की तपती दोपहरी में जब पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है, तो महानगरों की आलीशान इमारतों के पीछे छिपा एक डरावना और कड़वा सच बाहर आने लगता है।

दिनभर की हाड़-तोड़ मेहनत और चिलचिलाती धूप का सामना करने के बाद जब एक आम कामकाजी इंसान शाम को अपने घर लौटता है, तो उसे कुछ पल के सुकून और चैन की नींद की उम्मीद होती है। लेकिन आधुनिकता और अनियंत्रित विकास के दौर में हमारे महानगर रहने लायक ठिकाने कम और ह्यतपते तवे अधिक बन चुके हैं। बुनियादी ढांचे का चरमराना, अर्बन हीट आइलैंड का बढ़ता प्रभाव, पानी का गंभीर संकट और उस पर से बेहिसाब बिजली कटौती ने इंसान के जीवन को एक दु:स्वप्न में बदल दिया है। संकट अब शारीरिक थकावट या पसीने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें गंभीर रूप से शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार बना रहा है।

मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद धरती ठंडी होती है और रातें सुकून देती हैं। लेकिन हमारे महानगरों में यह प्राकृतिक चक्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जिसका मुख्य कारण अर्बन हीट आइलैंड का प्रभाव है। जब किसी शहर में पेड़-पौधों, तालाबों और खुली जमीनों को बेरहमी से खत्म करके वहां डामर की सड़कें, कंक्रीट की बहुमंजिला इमारतें और कांच के शीशों से ढके टॉवर खड़े कर दिए जाते हैं, तो वे दिनभर सूरज की भीषण गर्मी को अपने भीतर सोख लेते हैं। रात के समय, जब तापमान कम होना चाहिए, ये कंक्रीट के ढांचे उस सोखी हुई गर्मी को वापस वातावरण में छोड़ना शुरू करते हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि महानगरों में रात का तापमान ग्रामीण या खुले इलाकों की तुलना में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज हो रहा है। इसका सीधा अर्थ यह है कि महानगरों में रातें अब दिनों से भी ज्यादा भारी और उमस भरी हो रही हैं।

इस भयंकर रात की उमस में जब ह्यपावर कटह्न या बिजली कटौती का झटका लगता है, तो नागरिक पूरी तरह असहाय हो जाता है। इन्वर्टर कुछ घंटों में दम तोड़ देते हैं, पानी की मोटरें शांत हो जाती हैं और हवा का नामोनिशान मिट जाता है। आईसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें सचेत कर रही हैं कि अत्यधिक गर्मी और लगातार अधूरी नींद इंसानी शरीर के भीतर तापमान नियंत्रित करने की क्षमता को नष्ट कर देती है। जब लगातार कई दिनों तक इंसान की नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन कोटिसील अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगता है। यही कारण है कि लोग एक्यूट यानी गंभीर और अचानक उभरने वाली बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों की आपातकालीन ओपीडी के आंकड़े बताते हैं कि मई-जून के महीनों में हीट स्ट्रोक, अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्रेन स्ट्रोक, गंभीर डिहाइड्रेशन और किडनी फेलियर के मामलों में एक-तिहाई से ज्यादा की वृद्धि देखी जा रही है। जब पानी का अभाव और अगले दिन बिना सोए दफ्तर या काम पर जुटने की चिंता जुड़ती है, तो इंसान अंदर से पूरी तरह टूट जाता है।

संकट का सबसे भयावह और मूक पहलू महानगरों में मानसिक रोगियों की बढ़ती फौज है। गर्मी और बिजली संकट को अक्सर हम केवल एक भौतिक या प्रशासनिक समस्या मानते हैं, लेकिन यह सीधे तौर पर हमारी मानसिक सुदृढ़ता पर हमला कर रहा है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, तापमान में प्रति एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अवसाद के मामलों में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी होती है। लगातार अनिद्रा और शारीरिक कष्ट के कारण लोग गंभीर चिड़चिड़ेपन, घबराहट और क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम का शिकार हो रहे हैं। अत्यधिक गर्मी से उसकी मानसिक सहनशीलता समाप्त हो जाती है। महानगरों में घरेलू हिंसा, सड़कों पर मामूली बात पर होने वाली रोड रेज की हिंसक घटनाएं और दफ्तरों में कमर्चारियों के बीच बढ़ते टकराव के पीछे इस थर्मल स्ट्रेस का बहुत बड़ा हाथ है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, इन दिनों ओपीडी में आने वाले हर पांचवें मरीज में अनिद्रा और गर्मी जनित मानसिक तनाव मुख्य कारण बनकर उभर रहा है।

यह स्थिति हमारी नीतिगत विफलताओं का आईना है। गर्मियों के दिनों में महानगरों के उपनगरों और रिहायशी सोसायटियों में हाहाकार मचा रहता है। ट्रांसफार्मर फुंकने और केबल जलने की घटनाएं आम हैं क्योंकि बिजली के बुनियादी ढांचे पर क्षमता से अधिक लोड है। हर कोई अपनी जान बचाने के लिए एसी और कूलर चलाने को मजबूर है, लेकिन हमारा वितरण ग्रिड इस मांग को संभालने में सक्षम नहीं है। ऐसे में अमीर वर्ग तो भारी-भरकम डीजल जनरेटरों के सहारे कुछ राहत पा लेता है, जो खुद प्रदूषण बढ़ाकर हवा को और गर्म करते हैं, लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के लोग कंक्रीट के छोटे-छोटे कमरों में तंदूर की तरह पकने को मजबूर हैं।

पानी के टैंकरों के पीछे लगती लंबी लाइनें और पानी के लिए होते झगड़े प्रमाण हैं कि नगरीय ढांचा चरमरा चुका है। यदि हमें अपने शहरों को बीमारों का घर बनने से रोकना है, तो पारंपरिक सोच से हटकर नए और साहसिक कदम उठाने होंगे। प्रशासन को चाहिए कि दिन के बजाय रात के समय आवासीय परिसरों और कॉलोनियों की सड़कों पर स्प्रिंकलर ट्रकों को लगातार चलाए। इससे अर्बन हीट आइलैंड के प्रभाव को सीधे तौर पर कम किया जा सकता है। इससे डामर और कंक्रीट द्वारा सोखी गई गर्मी शांत होगी, जिससे रात के तापमान में गिरावट से कुछ राहत मिल सकेगी।

इसके साथ ही, शहरी नियोजन में व्हाइट रूफिंग को बढ़ावा देना होगा और बिजली वितरण प्रणाली को सौर ऊर्जा के ग्रिड से जोड़कर मजबूत करना होगा ताकि ग्रिड फेल होने की नौबत न आए। बिजली, पानी और ठंडी हवा अब कोई विलासिता नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में शहरों के बुनियादी ढांचे को पर्यावरण के अनुकूल और मानवीय बनाना होगा।

कोहली की क्लास, भुवनेश्वर का चला जादू

आरसीबी को चैंपियन बनाने में इन 5 खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली । रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वो कर दिखाया, जो आईपीएल के इतिहास में सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम ही कर सकी हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को फाइनल में 5 विकेट से हराते हुए लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम किया। आइए आपको उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके बूते खिताब का बचाव करने में सफल रही आरसीबी।

कोहली की विराटपारी

आरसीबी के लिए विराट कोहली कितने मायने रखते हैं, यह बात वह हर सीजन अपने प्रदर्शन से साबित करके दिखाते हैं। आईपीएल 2026 में भी कोहली का बल्ला खूब गरजा, और वह टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। 37 वर्षीय विराट ने 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। वहीं, फाइनल मैच में भी उन्होंने 42 गेंदों में 75 रनों की नाबाद पारी खेली।

रजत पाटीदार

कप्तानी के साथ-साथ रजत पाटीदार ने आरसीबी के लिए बल्ले से भी अहम योगदान दिया। पहले क्वालीफायर मुकाबले में मुश्किल में फंसी नजर आ रही आरसीबी टीम की नैया को पार लगाने वाले बल्लेबाज कप्तान रजत ही रहे, जिन्होंने महज 33 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली। रजत हर मुश्किल समय में विपक्षी टीम के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे।

भुवनेश्वर कुमार

आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में भुवनेश्वर कुमार का रोल काफी अहम रहा। भुवनेश्वर ने न सिर्फ पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, बल्कि अंत के ओवरों में भी अहम मौकों पर विकेट चटकाए। उन्होंने इस सीजन में खेले 16 मुकाबलों में 28 विकेट अपने नाम किए।

रसिख सलाम

जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन के आगे भले ही रसिख सलाम का योगदान पीछे छुप गया, लेकिन 26 वर्षीय इस युवा तेज गेंदबाज ने अपनी गेंदबाजी से आईपीएल 2026 में खासा प्रभावित किया। रसिख ने इस सीजन 19 विकेट निकाले और उनका सब बेहतरीन प्रदर्शन फाइनल मैच में ही आया। खिताबी मुकाबले में रसिख ने 4 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 3 विकेट निकाले।

देवदत्त पडिक्कल

आरसीबी का यह बल्लेबाज इस सीजन विराट कोहली के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला। पडिक्कल ने 16 मुकाबलों में 168 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 464 रन बनाए। उन्होंने इस सीजन तीन अर्धशतक लगाए। नंबर तीन की पोजीशन पर पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने आरसीबी के मध्यक्रम पर दबाव नहीं आने दिया।

आईपीएल 2026 वैभव बने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर

किसे मिला कौन-सा अवॉर्ड?

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया है। इसके साथ ही उन्हें इस सीजन में 776 रन बनाने के लिए 'ऑरेंज कैप' भी मिली। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' वैभव ने कहा, 'मुझे अच्छा लग रहा है, लेकिन इंटरव्यू देना पड़ रहा है,

इसलिए थोड़ा दबाव महसूस हो रहा है। आप प्रत्येक मैच एक ही तरीके से नहीं खेल सकते। अगर मुझे चोट से बचना है, तो मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। हर कोई बहुत मददगार है। सभी सीनियर खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, हर कोई मेरा साथ देता है और यहां का माहौल बहुत अच्छा है।' एक ओर वैभव ने 'ऑरेंज कैप' हासिल की, जबकि दूसरी तरफ कगिसो रबाडा ने इस सीजन में 29 विकेट लेने के लिए 'पर्पल कैप' अपने नाम की।

पंजाब किंग्स को 'फेयरप्ले अवॉर्ड' मिला। मनीष पांडे को 'कैच ऑफ द सीजन' का अवॉर्ड मिला, जिन्होंने बैकवर्ड प्वाइंट पर एक शानदार कैच लेकर टिम डेविड को आउट किया था। मोहम्मद सिराज को इस सीजन में सर्वाधिक 'डॉट बॉल' (172) फेंकने के लिए अवॉर्ड मिला।

साई सुदर्शन को इस सीजन में सर्वाधिक 'चौके' (75) लगाने के लिए अवॉर्ड मिला। वैभव सूर्यवंशी को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' (237.3) और 'सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन' (72) के अवॉर्ड मिले।

आईपीएल 2026 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 5 विकेट से जीत हासिल की। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने 50 रन की नाबाद पारी खेली।

यादगार छक्के से बनाया आरसीबी को चैंपियन

फाइनल में विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। फाइनल मैच में आरसीबी की जीत के नायक विराट कोहली रहे। कोहली ने 42 गेंदों में नाबाद 75 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। कोहली ने इस पारी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए।

विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में लगाया। कोहली ने अपना अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल के फाइनल मुकाबले में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी रहा। कोहली ने 75 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए। विराट का प्रदर्शन इस पूरे सीजन शानदार रहा और वह आरसीबी की तरफ से

आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कोहली ने इस सीजन 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए।

कोहली लगातार चार सीजन में 600 से अधिक रन बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले बल्लेबाज बने। विराट को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' भी चुना गया। विराट ने आईपीएल फाइनल में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

उन्होंने यह अवॉर्ड 37 साल 207 दिन की उम्र में जीता।

विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खिलाफ कुल 82 रन बनाए, जो आईपीएल के एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा किसी गेंदबाज के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक रन हैं।

180-190 का स्कोर अच्छा रहता, आरसीबी से फाइनल हारने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता। आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। वहीं, कप्तान के रूप में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने और जीटी को दूसरा खिताब दिलाने की कोशिश

में लगे गिल को निराशा हाथ लगी है। मैच के बाद जीटी के कप्तान गिल ने कहा, 'अगर हम 180-190 के आस-पास पहुंच जाते, तो यह एक अच्छा मैच होता। पहले तीन-चार ओवरों में तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है, और शुरुआती कुछ विकेट गिरने के बाद हमारी लय टूट गई। हमने पावरप्ले में 15-20 रन ज्यादा दे दिए। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन गेंदबाजी टीमों में से एक थे। शुरुआती कुछ मैच हारने के बाद हमने जबरदस्त वापसी की। मैं बहुत खुश हूं। हम जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन अगर हम ट्रॉफी जीत भी जाते, तब भी सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती।'

शुभमन गिल का बल्ला फाइनल में नहीं चला, लेकिन टूर्नामेंट में वह अपनी टीम के लिए बेहतरीन रहे। फाइनल में 10 रन बनाकर आउट हुए गिल ने टूर्नामेंट के 16 मैचों की 16 पारियों में 732 रन बनाकर वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। गिल ने दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक लगाकर जीटी को फाइनल में पहुंचाया था। 2022 में खिताब जीतने वाली जीटी अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। आईपीएल 2026 के फाइनल पर नजर डालें तो टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जीटी ने 8 विकेट पर 155 रन बनाए।

आरसीबी के चैंपियन बनने पर बोले क्रुणाल

11 साल में 5 ट्रॉफी जीतना मेरे लिए बहुत खास है

अहमदाबाद। रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। क्रुणाल पांड्या ने आरसीबी के आईपीएल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का श्रेय वर्षों के सब्र और प्लानिंग को दिया। क्रुणाल ने अपने करियर में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर भी खुशी जाहिर की और इसे बड़ी उपलब्धि बताया। पिछले दो सीजन में आरसीबी के लिए बल्ले और गेंद से अहम भूमिका निभाने वाले क्रुणाल ने माना कि हर चैंपियनशिप उनके करियर में एक खास जगह रखती है और उनकी तुलना करना लगभग नामुमकिन है। जीत के बाद क्रुणाल ने कहा, 'हर आईपीएल ट्रॉफी खास होती है। इसमें कोई शक नहीं है। यह बच्चों के होने जैसा है, है ना? आप चुन नहीं सकते। आईपीएल ट्रॉफी के साथ भी ऐसा ही है क्योंकि सब कुछ बहुत मेहनत से कमाया जाता है।' अनुभवी ऑलराउंडर ने 11 सीजन में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी उठाने के बाद अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि पर बात करते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश और शुक्रगुजार हूं कि 11 सालों में पांच ट्रॉफी जीत पाया; यह मेरे लिए बहुत खास है।' क्रुणाल ने कहा कि टीम की लगातार सफलता का बड़ा श्रेय फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ जाता है। उन्होंने बताया कि मो बोबट, एंडी फ्लावर, दिनेश कार्तिक, मालोलन रंगराजन और ओमकार साल्वी ने टीम को मजबूत बनाने के लिए बहुत मेहनत की।

उन्होंने कहा कि पिछले साल ऑक्शन से पहले ही पूरी तैयारी कर ली गई थी और खिलाड़ियों का चयन सोच-समझकर किया गया था।

ढोल की थाप पर नाचे कोहली और क्रुणाल

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब पर कब्जा जमाया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में जमकर जश्न मना। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली ढोल की धुन पर जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस दौरान क्रुणाल के हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी भी मौजूद रही।

नॉर्वे चेस 2026: गुकेश और दिव्या हारे

नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही। एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचे गए हैं।

वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया। दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके बाद आर्मागेडन गेम खेला गया, जिसमें झू जिनर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। जीत हासिल की। इस जीत से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले।

फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल फैसले के बारे में बात की

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा चौधरी

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है।'' उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी

सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।' त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। अगर लोग मेरे अभिनय को पसंद करें और यह महसूस करें कि मैंने किरदार के साथ न्याय किया है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। मैं हमेशा ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जिनमें अभिनय करने का मौका मिले और दर्शकों तक कोई भावना पहुंचाई जा सके।''

'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में नजर आएंगे केवल सेलेब्स? पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

इस बार आएंगे केवल बॉलीवुड सेलेब्स

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए।

जल्द वापसी करने वाला है 'इंडियाज गॉट लेटेंट'

समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

आज की युवा पीढ़ी राजनीति को समझ रही है, सोशल मीडिया ने लोगों को जागरूक बनाया

तुषार कपूर बॉलीवुड के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और मल्टीस्टारर फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है। तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है।'' उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ''मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा।''

तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''पहले हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है। पहले मेरे परिवार में राजनीति पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी, लेकिन अब मेरी मां भी राजनीति को फॉलो करती हैं।'' तुषार ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा काफी समझदार और जागरूक है। कई युवा देश की राजनीतिक स्थिति को अच्छे से समझते हैं और उस पर अपनी राय भी रखते हैं।''

सलमान की फिल्म में दिखेगा नयनतारा का एक्शन अवतार

नयनतारा इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। वह जल्द ही सलमान खान के साथ एक बड़े एक्शन प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वंशी पेडिपल्ली कर रहे हैं, जबकि निर्माता दिल राजू हैं। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी।

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

विक्की ललवानी से बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं

पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जिले में खरीफ सीजन में खेती-किसानी के लिए तैयारी जोरों पर, पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध

क्षेत्र के किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में खरीफ सीजन में खेती-किसानी के लिए तैयारी जोरों पर है और किसानों में उत्साह है। किसान सहकारी समितियों में जाकर खाद एवं बीज की खरीदी कर रहे है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने खरीफ सीजन में खेती-किसानी को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर खाद-बीज का वितरण कराने के निर्देश दिए है।

उन्होंने कहा कि किसानों को खाद-बीज के लिए किसी भी तरह की परेशानी नहीं होना चाहिए। इस वर्ष खरीफ में धान सहित दलहन-तिलहन फसलों में परम्परागत खाद के साथ वैकल्पिक खाद एवं नैनो यूरिया व डीएपी के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सिंगदई के किसान कमल नारायण साहू ढाबा सोसायटी में खाद लेने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके पास 2 एकड़ 35 डिसमिल जमीन है। आज यहां 3 बोरी यूरिया, 3 बोरी डीएपी, 3 बोरा पोटाश खाद की खरीदी की है। उन्होंने कहा कि समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। किसान कमल नारायण साहू ने बताया कि आज जरूरत के हिसाब से खाद मिल गया है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी होने से किसानों में खुशी है।

ग्राम फरहद के किसान घनश्याम पटेल ने बताया कि उनके पास 1 एकड़ जमीन है और आज वे ढाबा सोसायटी से खाद एवं राखड़ लेकर जा रहे हैं। वे महामाया धान की फसल लेंगे। उन्होंने बताया कि 30 से 35 कट्टा धान का उत्पादन हो जाता है। जिसे वे कृषक उन्नति योजना के तहत बिक्री करेंगे। ग्राम सिंगदई की ललिता साहू ने बताया कि उनके पास साढ़े 4 एकड़ कृषि भूमि है। वह ढाबा सोयायटी खाद लेने पहुंची थी। उन्होंने सोसायटी से 5 बोरी यूरिया, 5 बोरी पोटाश एवं 5 बोरा डीएपी क्रय किया। उन्होंने कहा कि सोसायटी से समय पर खाद मिलने से खेती-किसानी का कार्य समय पर प्रारंभ हो सकेगा। उन्होंने बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान की बिक्री से बहुत लाभ मिल रहा है। किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला पंचायत -शिक्षा स्थाई समिति की बैठक 9 को

जिला पंचायत -शिक्षा स्थाई समिति की बैठक 9 जून 2026 को दोपहर 3.30 बजे जिला पंचायत के शिक्षा स्थाई समिति के सभापति कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सदस्यों को उपस्थित होने की आग्रह किया गया है तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित होने कहा गया है।

खास खबर

नगर निगम ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पशु स्वास्थ्य संरक्षण के लिए किया जा रहा कार्य

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा शहर में नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवारा एवं पालतू कुत्तों के नियंत्रण तथा पशु स्वास्थ्य संरक्षण के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अब तक लगभग 1300 कुत्तों का बधियाकरण किया जा चुका है। शिकायत प्राप्त होने पर आक्रामक एवं पागल कुत्तों को पकड़नेकी कार्रवाई भी की जा रही है। निगम ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में डॉग शेल्टर की स्थापना, कुत्तों के डीवॉर्मिंग एवं टीकाकरण तथा प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक फीडिंग प्वाइंट विकसित करने का प्रावधान किया गया है।

नगर पालिका व त्रिस्तरीय पंचायत आम व उप निर्वाचन, जिले में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न

राजनांदगांव। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन अंतर्गत जिले में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। लोकतंत्र के उत्सव में नगर पालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन खुशी के माहौल में संपन्न हुआ। नगर पालिका आम निर्वाचन अंतर्गत नगर पंचायत घुमका में अध्यक्ष पद एवं 15 पार्षद पद के लिए मतदान संपन्न हुआ।

वहीं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के तहत जनपद पंचायत डोंगरगांव अंतर्गत जनपद सदस्य के एक पद तथा जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत सरपंच के 1 पद एवं पंच के 2 पद के लिए मतदान संपन्न हुआ। मतदाताओं की मतदान प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक सहभागिता रही। नगर पंचायत घुमका में मतदान 95.36 प्रतिशत, जनपद पंचायत राजनांदगांव में मतदान 92.97 प्रतिशत एवं जनपद पंचायत डोंगरगांव में मतदान 69.58 प्रतिशत रहा। मतदान के पश्चात मतदान केन्द्र पर की जाने वाली मतगणना की गई तथा 4 जून को नगरीय निकाय की मतगणना की जाएगी।

डी.एड. प्रवेश परीक्षा 4 जून को, जिले के 10 केंद्रों में शामिल होंगे 2409 परीक्षार्थी

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा आयोजित डी.एड. प्रवेश परीक्षा 4 जून 2026 को जिले के 10 परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी। कलेक्टर इंद्रजीत चंद्रावल के मार्गदर्शन में परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिले में कुल 2409 परीक्षार्थी इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रेणुका रात्रे ने बताया कि परीक्षा प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों को सुबह 9:30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। इसके बाद परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे तथा विलंब से पहुंचने वाले किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। व्यापम के निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र के साथ फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर, इयरफोन, बैग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, धात्विक वस्तुएं एवं किसी भी प्रकार की नकल सामग्री लाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षार्थियों को केवल नीले अथवा काले बॉल पेन के उपयोग की अनुमति होगी तथा उन्हें हल्के रंग के सादे एवं आधी बांह वाले वस्त्र पहनकर परीक्षा मंथ उपस्थित होना होगा। परीक्षार्थियों के प्रवेश, फ्रिस्किंग एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया परीक्षा प्रारंभ होने से दो घंटे पूर्व शुरू कर दी जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला पुलिस कर्मियों तथा पुरुष परीक्षार्थियों की जांच पुरुष पुलिस कर्मियों द्वारा की जाएगी।

सुशासन तिहार अंतर्गत पटपर क्लस्टर के 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को मिली राहत

हितग्राहियों को मिल रहा शासन की योजनाओं का लाभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के ग्राम पंचायत पटपर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शासन की मंशानुरूप गांव-गांव, द्वार-द्वार पहुंचकर आमजन की समस्याओं के समाधान एवं शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली तथा विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही समस्याओं के समाधान की पहल की गई। डोंगरगढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र के क्लस्टर पटपर शिविर में ग्राम पंचायत मेंढा, अमलीडीह, टप्पा, कोलिहापुरी नवा, उरईडबरी, झंडातलाब, पिनकापार, मोतीपुर, धनडोंगरी, भोथली, मक्काटोला, रामाटोला एवं पटपर सहित 13 ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, बिहान समूह की महिलाएं, किसान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, उद्यानिकी, जल संसाधन, विद्युत, स्वास्थ्य, वन, खाद्य, मत्स्य, परिवहन, सहकारिता, पशुधन विकास, ग्रामोद्योग, शिक्षा एवं लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की तथा हितग्राहियों की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए। शिविर में कुल 891 आवेदन प्राप्त हुए। विभागीय अधिकारियों द्वारा तत्काल निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही समाधान किया गया।

शिविर के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। शिविर में 7 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3 किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण प्रमाण-पत्र, 2 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड तथा 2 वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 10 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई तथा पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत डोंगरगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती लता अजय सिन्हा, जिला पंचायत सभापति प्रशांत कोडापे, जनपद सदस्य अशोक नेताम, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव के उपाध्यक्ष भरत वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, तहसीलदार डोंगरगढ़, सीईओ जनपद पंचायत डोंगरगढ़, सरपंच बोधिराम साहू सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से दिनेश कुमार निषाद का पक्के घर का सपना हुआ साकार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। इसी कड़ी में डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम रेंगाकठेरा निवासी दिनेश कुमार निषाद का पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से साकार हुआ है।

दिनेश कुमार निषाद ने बताया कि उन्हें सुशासन तिहार के शिविर में नवनिर्मित आवास की चाबी प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि वर्षों से कच्चे मकान में रहने के कारण उन्हें और उनके परिवार को बारिश, आंधी-तूफान तथा अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात के मौसम में घर की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। उन्होंने बताया कि अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने से उनके परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि बारिश के पहले नया घर मिलना उनके लिए किसी सौगात से कम नहीं है। अब उन्हें बारिश, आंधी-तूफान, जीव-जन्तुओं तथा बंदरों से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी और पूरा परिवार सुरक्षित वातावरण में जीवनयापन कर सकेगा। दिनेश ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार को नई खुशियां और सुरक्षा प्रदान की है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से गणेश राम कंवर का बना पक्का घर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम रेंगाकठेरा निवासी गणेश राम कंवर भी ऐसे ही हितग्राहियों में शामिल हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्का आवास प्राप्त हुआ है। गणेश राम कंवर ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर रहा था। बरसात के दिनों में घर की स्थिति खराब हो जाती थी और परिवार को असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। मौसम की मार और आवास की असुरक्षा हमेशा चिंता का विषय बनी रहती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवास के निर्माण के बाद अब उनका परिवार पक्के एवं सुरक्षित घर में रह रहा है। उन्होंने बताया कि पक्का मकान मिलने से परिवार को सुरक्षा के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला है।

निगम हरियाली संरक्षण से लेकर स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं का किया जा रहा सुदृढ़ीकरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा शहर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पेयजल, सड़क निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा शहर के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार निगरानी एवं आवश्यक कारर्वाई की जा रही है। ग्रीष्म ऋतु में बढ़ती गर्मी को देखते हुए सड़क किनारे, फ्लाईओवर के नीचे तथा डिवाइडरों में लगाए गए वृक्षों एवं पौधों के संरक्षण के लिए टैंकरों के माध्यम से नियमित सिंचाई की जा रही है। साथ ही पौधों की आवश्यक देखरेख भी सुनिश्चित की जा रही है ताकि गर्मी के कारण वृक्षों के सूखने की स्थिति से बचाव किया जा सके।

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर निगम के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा वार्डों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। सफाई कार्य में लापरवाही मिलने अथवा शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख नालों एवं कॉलोनियों की नालियों की सफाई का अभियान भी चलाया जा रहा है। अधिकांश नालों की सफाई प्रथम चरण में पूरी हो चुकी है तथा शेष स्थानों पर कार्य जारी है। बस स्टैंड क्षेत्र में अस्थायी रूप से एकत्रित किए जाने वाले कचरे का भी प्रतिदिन उठाव कर स्वच्छता बनाए रखी जा रही है। इसके अतिरिक्त सिविल लाइन क्षेत्र में स्थित शासकीय आवासों के आसपास की सड़कों और नालियों की नियमित सफाई की जा रही है। सूचना प्राप्त होने पर सेप्टिक टैंकों की सफाई भी निगम द्वारा कराई जाती है, जबकि भवनों के मरम्मत एवं संधारण संबंधी आवश्यकताओं से लोक निर्माण विभाग को अवगत कराया जाता है। नगर निगम द्वारा पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सेठी नगर क्षेत्र में पाइपलाइन विस्तार का कार्य किया गया है। साथ ही क्षेत्रवासियों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पुराने पाइपलाइन से नये पाईप लाईन में नल कनेक्शन को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी है।

शहर की सड़कों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न मार्गो के डामरीकरण कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है। गुणवत्ता में कमी या कार्य में विलंब पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। पुनः निविदा प्रक्रिया के बाद कार्यादेश जारी किए गए हैं तथा निर्धारित समय में कार्य पूर्ण नहीं करने पर संबंधित निर्माण एजेंसियों को नोटिस जारी किया गया है। नगर निगम शहर की सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा के लिए भी सतर्क है। रानी सागर की बाउंड्रीवाल की रेलिंग को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने पर निगम ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है तथा क्षेत्र में रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाई गई है। रानीसागर स्थित चौपाटी में निर्मित लक्ष्मण झूला के पुराने हो चुके केबल वायर क्षतिग्रस्त होने के कारण उसे नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर अस्थायी रूप से बंद किया गया है। इसके मरम्मत कार्य की विभागीय प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, शीघ्र ही मरम्मत कार्य प्रारंभ किया जाएगा। नगर निगम शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा को लेकर सक्रिय तथा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के माध्यम से जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किया जा रहा है।

धरती माता और खेत बचाओ अभियान की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशन में चलाए जा रहे धरती माता बचाओ खेत बचाओ अभियान के तहत छुरिया विकासखंड के ग्राम कुमरदा में किसानों एवं महिलाओं को जागरूक किया गया। किसानों को खेती की नई तकनीकी, खेती में जैविक विधि अपना कर खेत बचाओ एवं पानी बचाओ, उन्नत किस्म की खेती कर उन्नति की डीएसआर विधि का उपयोग कर खेती करने के संबंध में जानकारी दी गई।

कृषि विस्तार अधिकारी सुदेश पटेल ने किसानों विभिन्न प्रकार की जैविक खेती करने के लाभ के बारे में बताया तथा जैविक विधि के माध्यम से खेती करने के सलाह दी।

तकनीकी खेती अंतर्गत डायरेक्ट सी ड्रिल्स शोइंग एवं नील हरित का निर्माण कर नाइट्रोजन की बचत साथ हरी खाद की खेती कर खाद के रूप में उपयोग करने हेतु सलाह दी गई। कीटनाशक निर्माण हेतु जैविक कीटनाशक में 10 लीटर गोमूत्र, 1 किलो लहसुन, 1 किलो सीता पत्ता, 1 किलो का रंग पत्ता और 1 किलो नीम पट्टी सड़कर कीटनाशक निर्माण करने के बारे में बताया। इस दौरान एडीओ गौरीशंकर, आरईओ नितिन श्रीवास, श्रीमती शारदा जांबंधु, कृषि सखी, पशु सखी उपस्थित थे।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र. ..../अ/6 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सरोज सिंह आ/ध.प. रामजी सिंह निवासी इन्द्रावती नगर कोहका द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग 1196/1 रकबा 400 वर्गफीट भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 18/10/2022 के आधार पर विक्रेता मुकेश / स्व० फिरन्ता व अन्य 3 से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 10/06/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202604101000155

विषय :- अ-6 अ
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026

कोहका प.ह.न. 00011 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार घनश्याम सिन्हा,
अनावेदक पक्षकार -

-:: ईश्तहार ::-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक घनश्याम सिन्हा पिता/पति/विभाग-धनवा सिन्हा पता-भिलाई द्वारा ग्राम - कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 3534 रकबा 0.024 है. आवेदक के नाम पर दर्ज था किन्तु उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में रकबा 0-020 प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है!

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08/06/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा !

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/05/2026 को जारी किया जाता है।

डिकेश्वर साहू
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202604101000157

विषय :- ब-121
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026

खेदामारा प.ह.न. 00011 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार हैदर अली,
अनावेदक पक्षकार -

-:: ईश्तहार ::-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकः हैदर अली पिता/पति/विभाग-मो. साहेब अली पता-भिलाई द्वारा ग्राम- खेदामारा प.ह.न. रा.नि.म. जेवरा सिरसा, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 147/34 रकबा 0.01 है. भूमि जिसका डायवर्शन हो चूका है जो त्रुटिपूर्ण राजस्व रिकार्ड में परिवर्तित के स्थान पर कृषि भूमि दर्ज हो गया है जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया है!

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 08-06-2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/05/2026 को जारी किया जाता है।

डिकेश्वर साहू
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आजाद अली अंसारी पिता स्व० गयासुद्दीन अंसारी निवासी भिलाई द्वारा अपने भाई सलीम अंसारी की मृत्यु दिनांक 25.04.1995 को होने कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 10.06.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.05.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

नवप्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को एसएसपी ने दिया कर्तव्यनिष्ठा का दिया मंत्र

47 उपनिरीक्षक और 1 सूबेदार की ब्रीफिंग, जनता से मधुर व्यवहार की दी नसीहत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दुर्ग में परिवीक्षाधीन 47 उपनिरीक्षक और 1 सूबेदार की ब्रीफिंग रविवार को आयोजित की गई। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने सभी नवप्रशिक्षु अधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनता से मधुर व्यवहार की नसीहत दी।

मेहनत से सीखने पर जोर

एसएसपी श्री अग्रवाल ने अधिकारियों से मेहनत कर हर चीज को सीखने और समझने को कहा। उन्होंने जिले की भौगोलिक स्थिति, अपराध के स्वरूप, संवेदनशील क्षेत्रों और यातायात व्यवस्था की जानकारी दी। साथ ही साइबर क्राइम पर विशेष फोकस रखने की हिदायत दी।

वीआईपी ड्यूटी से कानून-व्यवस्था तक की बारीकियां बताई

एएसपी एवं सीएसपी द्वारा प्रोबेशनर अधिकारियों को जिले में सभी प्रकार के अपराध, वीआईपी ड्यूटी और कानून-व्यवस्था की बारीकियों से अवगत कराया गया। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक लाइन सीपी तिवारी और रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा भी उपस्थित रहे।

दुर्ग में वोरा निवास पहुँचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, अरुण वोरा संग हुई आत्मीय चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पद्मनाभपुर, दुर्ग स्थित वोरा निवास पारिवारिक माहौल में पहुँचे, जहाँ उन्होंने राजनीतिक पुरोधा श्रद्धेय मोतीलाल वोरा जी का स्मरण किया तथा उनके पुत्र, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा के साथ मोतीलाल वोरा जी के साथ बिताए गए पलों को याद किया। इस अवसर पर उन्होंने अरुण वोरा की माताश्री एवं मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी वोरा से भी भेंट-मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।

भेंट के दौरान बघेल एवं वोरा के मध्य समसामयिक राजनीतिक गतिविधियों, संगठनात्मक विषयों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने कुछ समय एकांत में भी विचार-विमर्श किया, जो कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने दोनों वरिष्ठ नेताओं का आत्मीय स्वागत किया तथा उनसे विभिन्न संगठनात्मक एवं जनसरोकार के विषयों पर चर्चा की।

खुर्सीपार से नंदनी रोड तक डिवाइडर की स्ट्रीट लाइटें बंद, शिवसेना ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

अंबेडकर उद्यान में अंधेरे से बुजुर्ग परेशान, सड़कों पर बढ़ रहे हादसे और लूटपाट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर के खुर्सीपार, जवाहर नगर, छावनी चौक से नंदनी रोड तक डिवाइडर पोल और उद्यानों की लाइटें बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर शिवसेना यूबीटी ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुधार की मांग की है।

उद्यान में अंधेरा, बुजुर्ग-मरीज परेशान

शिवसेना भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने बताया कि बापू नगर वार्ड 43 के अंबेडकर उद्यान में शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। इससे बुजुर्ग और मरीजों को टहलने में दिक्कत होती है। जनप्रतिनिधियों ने यहां बच्चों के झूले, योगा-जिम के सामान और स्टील टेबल तो लगवाए, लेकिन रोशनी की व्यवस्था नहीं की गई।

सड़कों पर अंधेरे से हादसे और अपराध

ज्ञापन में कहा गया कि जवाहर नगर, ओम शांति चौक, अडानी, एसीसी चौक, राजीव नगर, छावनी चौक से तिरंगा चौक, शहीद चुम्मन यादव स्मारक स्थल, ट्रांसपोर्ट नगर, नंदनी रोड और एसएस हॉस्पिटल के बाजू वाले इंडस्ट्रियल एरिया में डिवाइडर पोल की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। नंदनी रोड पर कई जगह लाइटें जलती हैं तो कई खराब हैं और कुछ पोल पर लटककर झूल रही हैं। अंधेरे के कारण 16 मई को गौरव पथ रोड पर रात में दुर्घटना भी हुई। साथ ही इन क्षेत्रों में राहगीरों से लूटपाट, छिनताई और चोरी की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

तत्काल मरम्मत की मांग

शिवसेना ने जनहित में खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत या उन्हें बदलने की तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता और भिलाई सचिव संतोष यादव शामिल थे।

पुलिस विभाग के 4 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

एसएसपी ने शॉल-श्रीफल देकर किया सम्मानित, कर्तव्यनिष्ठा को बताया प्रेरणादायी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुर्ग में शनिवार 31 मई को दीघर्कालीन एवं सराहनीय सेवा देने वाले 4 पुलिसकमिर्यो के सेवानिवृत्त होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में उप निरीक्षक श्रीमती आशा वैष्णव, सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह, प्रधान आरक्षक चालक क्रमांक 1106 बलराम टंडन और प्रधान आरक्षक क्रमांक 830 यशवंत देवांगन शामिल हैं।

एसएसपी ने किया सम्मान

समारोह में उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। एसएसपी ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने सेवा काल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं ईमानदारी के साथ पुलिस विभाग की गरिमा बढ़ाई है। विभाग उनके योगदान को सदैव याद रखेगा। उन्होंने कहा कि इनके अनुभव युवा पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणादायी हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भी अपने सेवा अनुभव साझा करते हुए पुलिस विभाग एवं सहकर्मियों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकगण, नगर पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक एवं समस्त शाखा प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व कमर्चारी उपस्थित रहे।

दुर्ग पुलिस हुआ सख्त : अड्डेबाजी और खुले में शराब सेवन करने वालों पर हुई कार्रवाई, 55 प्रकरण दर्ज

इस अभियान में थाना प्रभारियों, पेट्रोलिंग टीमों, डायल-112 स्टाफ व अन्य पुलिस बल की सक्रिय भूमिका रही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन तथा हुड़दंग करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 31 मई 2026 को जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर 36(च) आबकारी एक्ट के तहत 55 प्रकरण दर्ज किए गए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों ने प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान खुले में शराब पीने, अड्डेबाजी करने तथा शांति व्यवस्था भंग करने वाले लोगों के खिलाफ त्वरित वैधानिक कार्रवाई की गई। अभियान के तहत दर्ज 55 प्रकरणों में छावनी अनुभाग में 22, भिलाई नगर अनुभाग में 18, दुर्ग अनुभाग में 8 तथा धमधा अनुभाग में 7 प्रकरण शामिल हैं। सभी मामलों में 36(च) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 11:30 बजे तक मोबाइल पेट्रोलिंग के माध्यम से बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। रात्रि के समय अनावश्यक भीड़ एकत्र कर हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारियों, पेट्रोलिंग टीमों, डायल-112 स्टाफ तथा अन्य पुलिस बल की सक्रिय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100